नई दिल्ली ■ रविवार 03 मई 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 35 ■ पृष्ठ 08

JBT www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 श्रम के सम्मान से पूरा होगा विकसित भारत का स्वप्न | 07 सूर्यवंशी को आंख दिखाने पर जैमीसन को मिला एक डिमैरिट अंक | फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया... 08

प. बंगाल की दो सीटों के 15 केंद्रों पर पुनर्मतदान, 87 प्रतिशत वोटिंग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया और मतदान खत्म होने से एक घंटे पहले करीब 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शाम 5 बजे तक 86.90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, हालांकि एक बूथ के आंकड़े अभी आने बाकी हैं। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चला। मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 और डायमंड हार्बर के चार मतदान केंद्रों पर वोटिंग कुल मिलाकर शांतिपूर्ण तरीके से हुई। चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर निर्वाचन आयोग ने

शुक्रवार को इस सीट पर पुनर्मतदान का आदेश दिया था। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर सीट के चंदा प्राथमिक स्कूल स्थित मतदेय केंद्र संख्या-179 पर एक दिव्यांग मतदाता और उसकी मां के साथ केंद्रीय बलों ने दुर्व्यवहार किया। इस कथित घटना के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। तृणमूल ने दावा किया कि मतदाता और उसकी सहायता के लिए मतदान केंद्र के भीतर गईं उनकी मां को कथित नियम उल्लंघन के आरोप में केंद्रीय बलों ने काफी समय तक रोके रखा। एक निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की नेता मनमोहिनी विश्वास और प्रतीक उर रहमान मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को बेवजह की उत्पीड़न बताया। वहां मौजूद हमारे अधिकारियों ने मामले को संभाल लिया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा क्षेत्र के 15 मतदेय केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा। आयोग ने कहा कि मतदान का समय समाप्त होने से पहले कतार में खड़े प्रत्येक व्यक्ति को वोट डालने की अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि मगराहाट पश्चिम में 86.11 प्रतिशत और डायमंड हार्बर में 87.60 प्रतिशत मतदान हुआ। इन दोनों विधानसभा सीट पर 29 अप्रैल को मतदान हुआ था। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि पुनर्मतदान का आदेश दोनों विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर दिया गया।

मगराहाट पश्चिम सीट पर तृणमूल कांग्रेस के मोहम्मद समीम अहमद मुल्ला का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी गौर सुंदर घोष से है, जबकि कांग्रेस के अब्दुल मजीद हलदर और इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के अब्दुल अजीज अल हसन भी मैदान में हैं। डायमंड हार्बर सीट पर तृणमूल के पन्ना लाल हलदर, भाजपा के दीपक कुमार हलदर को चुनौती दे रहे हैं।

दिल्ली में न्यायिक अधिकारी ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित आवास में 30 वर्षीय न्यायिक अधिकारी अमन कुमार शर्मा मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। सूचना शनिवार दोपहर करीब 1:45 बजे सफदरजंग एन्क्लेव थाने में पीसीआर कॉल के माध्यम से मिली। कॉल उनके जीजा शिवम ने की थी। पुलिस के अनुसार पुलिस स्टेशन सफदरजंग एन्क्लेव में आत्महत्या के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। कॉल प्राप्त होने पर पता चला कि अमन कुमार शर्मा की उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी ग्रीन पार्क मेन ने अपने आवास पर आत्महत्या कर ली है। अमन कुमार शर्मा उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में सचिव के पद पर कार्यरत थे। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने पर शर्मा बाथरूम में मिले। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीएम ने लेह में बुद्ध के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी के उद्घाटन पर जताई खुशी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लेह में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी के उद्घाटन पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसका उद्घाटन शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर हुआ था।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि ये पवित्र अवशेष कपिलवस्तु स्थित पिपरहवा स्तूप से जुड़े हैं और 19वीं सदी के अंतिम वर्षों में खुदाई के दौरान प्राप्त हुए थे। ये अवशेष भगवान गौतम बुद्ध की शिक्षाओं का प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शनी 14 मई तक चलेगी और आने वाले दिनों में इसे जांस्कर क्षेत्र में भी ले जाया जाएगा। प्रधानमंत्री के अनुसार यह आयोजन लद्दाख के लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पहल से लद्दाख में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने लिखा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि कल बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लेह में तथागत के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

स्पिरिट एयरलाइंस 34 साल बाद हुई बंद

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच अत्यंत कम लागत वाली अमेरिकी एयरलाइंस कंपनी स्पिरिट एयरलाइन ने 34 साल बाद अपने परिचालन को तुरंत प्रभाव से बंद करने का ऐलान किया है।

कंपनी ने अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं और ग्राहक सेवा को बंद कर दिया गया है। एयरलाइन के इस कदम से 17 हजार लोगों की नौकरियां जाने का खतरा है। स्पिरिट एयरलाइंस ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि उसकी सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं क्योंकि व्हाइट हाउस से संभावित बेलआउट न मिल पाने के बाद उसने अपने ऑपरेशन्स को व्यवस्थित तरीके से बंद करना शुरू कर दिया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू है। एयरलाइन ने कहा स्पिरिट की सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। स्पिरिट एविएशन होल्डिंग्स, इंक, जो स्पिरिट एयरलाइंस की मूल कंपनी है, उसने 500 मिलियन डॉलर की बचाव डील हासिल करने में नाकाम रहने के बाद अपना कामकाज बंद कर दिया है। दरअसल, बढ़ती ईंधन कीमतों और ईरान युद्ध के असर से कंपनी पहले ही वित्तीय संकट और दिवालियापन से जूझ रही थी। इस बंदी से करीब 17 हजार कर्मचारियों की नौकरियों पर असर पड़ सकता है।

छत्तीसगढ़ : आईईडी निष्क्रिय करते समय विस्फोट, 4 जवान शहीद

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर जिले की सरहद पर छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आदनार गांव के पास के जंगल में शनिवार को डी-माइनिंग और एरिया डॉमिनेशन ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट हो गया।

इसमें सुरक्षा बल के चार जवान बलिदान हो गए। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है। इस अभियान के

दौरान दुर्घटनावश आईईडी विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आने से कांकेर डीआरजी के 4 जवान घायल हो गए। इनमें इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, कॉन्स्टेबल कृष्णा कोमरा, कॉन्स्टेबल संजय गढपाले अत्यधिक ज़ख्मी होने से वे घटना स्थल पर ही बलिदान हो गए। जबकि गंभीर रूप से घायल बस्तर फाइटर का जवान परमानंद कोर्राम को बेहतर उपचार हेतु रायपुर ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उनका भी निधन हो गया है। इस संबंध में बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों द्वारा दी गई जानकारी और अन्य इनपुट के आधार पर, माओवादियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए सैकड़ों आईईडी बस्तर रेंज में पुलिस एवं सुरक्षाबलों द्वारा बरामद कर निष्क्रिय किए जा रहे हैं। लेकिन आज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, जब कांकेर जिला पुलिस दल आईईडी को निष्क्रिय कर रहा था, तभी वह आकस्मिक रूप से विस्फोटित हो गया, जिसके कारण चार पुलिस बल के जवान बलिदान हो गये हैं।

यूपी के अम्बेडकर नगर में चार बच्चों की हत्या

अम्बेडकर नगर। उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र स्थित एक मोहल्ले में चार बच्चों के खून से लथपथ शव मिले। घटना के बाद से बच्चों की मां लापता है। पुलिस को शुरुआती तौर पर शक है कि महिला ने ही अपने चारों बच्चों की हत्या की होगी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में पता चला है कि अकबरपुर क्षेत्र के मीरानपुर मोहल्ले का नियाज (42) सऊदी अरब में रहकर काम करता है। उसकी पत्नी गासिया खातून (37) चार बच्चों शफीक (14), सउद (10), उमर (8) और बेटी बयान बानो (7) के साथ यहां रहती थी। शनिवार दोपहर तक महिला के घर का दरवाजा नहीं खुला तो आस-पड़ोस के लोगों को शक हुआ।

इस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस दरवाजा तोड़कर कमरे में पहुंची तो खून से लथपथ चारों बच्चों के शव पड़े मिले। इसके बाद फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घटना के बाद से महिला लापता है। आशंका जताई जा रही है कि अपने ही बच्चों की हत्या कर महिला फरार हो गयी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रथमदृष्टया लगता है कि महिला ने ही अपने चारों बच्चों की हत्या की है और फरार हो गयी है। फिलहाल पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य जुटाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला की तलाश की जा रही है।

मध्य प्रदेश: बरगी क्रूज हादसे में दो और शव बरामद

मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई

जबलपुर। मध्य प्रदेश के बरगी बांध में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे को लेकर राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। इसी बीच रेस्क्यू टीम को शनिवार को दिनभर चले सघन सर्च ऑपरेशन के बाद दो बच्चों के और शव मिले हैं। हालांकि अभी भी दो लोग लापता है।

दरअसल, जबलपुर स्थित बरगी डैम में क्रूज हादसे के बाद लापता चार लोगों की तलाश की जा रही है। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के साथ सेना जवान भी सर्चिंग में जुटे हैं। शनिवार शाम तक सर्चिंग के दौरान एक सफलता हाथ लगी, जिसमें दो बच्चों के शव मिले हैं। मृतक की पहचान 5 वर्षीय विराज सोनी के रूप में हुई है, जो श्री कृष्ण सोनी का पुत्र और कोतवाली क्षेत्र का निवासी था।

वहीं, दूसरे शव की पहचान श्रीतमिल (5) पुत्र कामराज निवासी वेस्टलैंड खमरिया के रूप में हुई है। इस दुखद बरामदगी के बाद हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। हादसे के बाद से अब भी दो लोग लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। गोताखोरों और बचाव दल की टीमें मौके पर मुस्तैदी से तैनात हैं और हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

देशभर में 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम' का परीक्षण, आपदा होने पर तुरंत मिलेगी सूचना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों तक त्वरित सूचना पहुंचाने के उद्देश्य से 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम' का आज यहां परीक्षण किया जिसमें सभी प्रकार के मोबाइल के स्क्रीन पर एक ही समय में एक मैसेज बॉक्स में आपात स्थिति का संदेश उभरता है तथा ध्यान आकृष्ट करने के लिए एक विशिष्ट प्रकार की बीप ध्वनि के साथ वाइबेट करता है।

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह एक कार्यक्रम में रिमोट के माध्यम से इसके देशव्यापी परीक्षण को सफलतापूर्वक संपन्न किया। परीक्षण के तहत लगभग 11:45 बजे देशभर में मोबाइल फोन पर एक साथ बीप ध्वनि के साथ इमरजेंसी अलर्ट संदेश प्राप्त हुआ। संदेश में स्पष्ट किया गया कि यह एक परीक्षण है और जनता को कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है। यह अत्याधुनिक प्रणाली संचार

मंत्रालय के दूरसंचार विभाग द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से विकसित की गई है, ताकि आपदा के समय नागरिकों तक महत्वपूर्ण सूचनाओं का समय पर प्रसार सुनिश्चित किया जा सके। एनडीएमए ने दूरसंचार विभाग के प्रमुख अनुसंधान एवं विकास केंद्र, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी-डॉट) द्वारा विकसित एकीकृत अलर्ट सिस्टम 'सचेत' को सफलतापूर्वक चालू किया है। यह प्रणाली अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ द्वारा अनुशंसित कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) पर आधारित है।

वर्तमान में यह देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संचालित है और भौगोलिक रूप से लक्षित क्षेत्रों में मोबाइल उपयोगकर्ताओं को एसएमएस के माध्यम से आपदा एवं आपातकालीन अलर्ट प्रदान कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस प्रणाली के माध्यम से अब तक प्राकृतिक आपदाओं, मौसम चेतावनियों और चक्रवाती घटनाओं के दौरान 19 से अधिक भारतीय भाषाओं में 134 अरब से अधिक एसएमएस अलर्ट प्रसारित किए जा चुके हैं। आपदा चेतावनी तंत्र को और सशक्त बनाने के लिए एसएमएस के साथ-साथ अब सेल ब्रॉडकास्ट (सीबी) तकनीक को भी शामिल किया गया है। इस तकनीक के जरिए किसी निर्धारित भौगोलिक क्षेत्र में सभी मोबाइल उपकरणों पर एक साथ अलर्ट प्रसारित किए जा सकते हैं, जिससे लगभग वास्तविक समय में सूचना पहुंचाना संभव हो जाता है। सुनामी, भूकंप, बिजली गिरने, गैस रिसाव और अन्य रासायनिक खतरों के साथ साथ युद्ध या सैन्य हमले जैसी समय-संवेदनशील परिस्थितियों में यह प्रणाली विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी।

सेल ब्रॉडकास्ट आधारित इस स्वदेशी सार्वजनिक आपातकालीन अलर्ट सिस्टम के विकास और कार्यान्वयन की जिम्मेदारी सी-डॉट को सौंपी गई है।

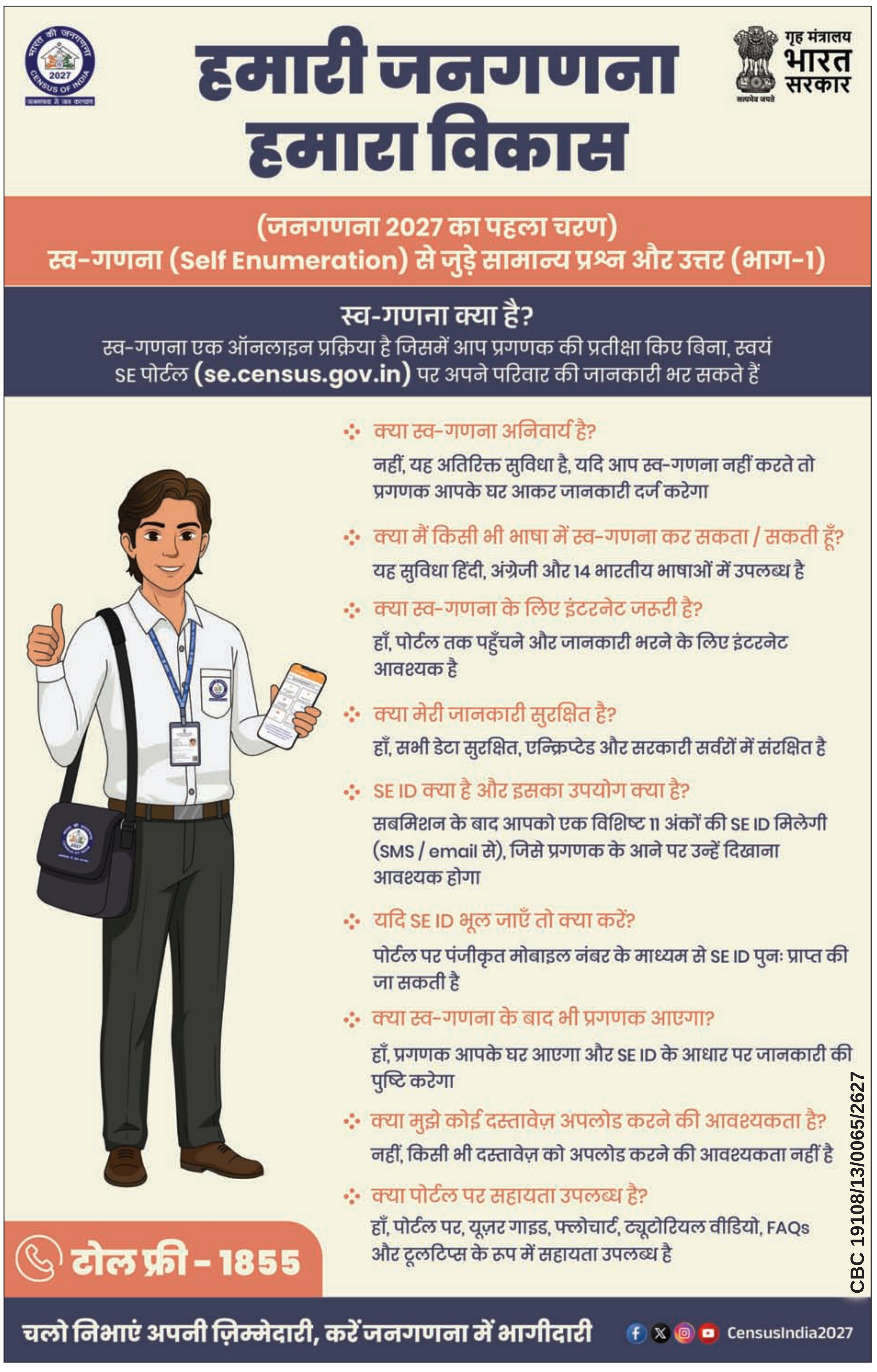

संक्षिप्त खबरें

महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी

नोएडा। कमिश्नरेट पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत शनिवार को महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। महिलाओं को बताया गया कि अगर वे घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं या कोई उन्हें बेवजह परेशान करता है तो कैसे शिकायत करनी है। मिशन शक्ति के तहत ही विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को कराटे और जूडो का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को ठगी के प्रकार और इससे बचने के उपायों के बारे में भी विस्तार से बताया।

प्रदर्शनी में छात्रों ने दिखाई रचनात्मकता

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित इंडस वैली पब्लिक स्कूल में 'वाणी एंड वॉइस' और 'ए सिम्फनी ऑफ लैंग्वेजेस' के तहत भाषाओं की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थियों ने ही जिसमें उन्होंने रचनात्मकता और शोध कौशल दिखाया। प्रदर्शनी में विभिन्न भाषाओं की उत्पत्ति, विकास और महत्व को चार्ट, मॉडल, मुहावरों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शाया गया। छात्रों ने कहा कि भाषा केवल शब्द नहीं, बल्कि संस्कृति और पहचान का स्वरूप है।

हास्टल के खाने में नाखून निकलने का आरोप, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित नालंदा लिविंग हॉस्टल के खाने में नाखून निकलने का मामला सामने आया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में दिख रहा छात्र कह रहा है कि खाने में दो नाखून निकले हैं और गिनती की चार रोटियां दी जा रही हैं। उसने सब्जी की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। मामले में सपा छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मोहित नागर ने आरोप लगाया कि बच्चों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। वहीं, हॉस्टल प्रबंधन के राहुल नागर का कहना है कि बच्चों ने खाने में नाखून डालकर वीडियो बना लिया, जिसे वायरल कर दिया गया था। इसी मामले से जुड़ा एक और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें छात्र कह रहा है कि कुछ दोस्तों ने मजाक-मजाक में उसके खाने में नाखून डाल दिया था, जिसकी जानकारी उसे नहीं थी। इस वजह से उसने वीडियो बना लिया था।

वेलफेयर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के लिए मतदान आज

यमुना सिटी। यमुना सिटी स्थित सेक्टर 22-डी सोसाइटी में वेलफेयर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के लिए आज चुनाव होगा। इस पद के लिए दो लोगों ने नामांकन भरा है। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि मतदान की प्रक्रिया सुबह सात बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। 5:30 बजे से मतगणना शुरू होगी और विजयी उम्मीदवार की घोषणा कर दी जाएगी। उपाध्यक्ष पद के लिए सोसाइटी के परमेश और शशांक श्रीवास्तव के बीच मुकाबला होगा। वहीं, अध्यक्ष राकेश त्रिपाठी, सचिव राजेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष मलकेश्वर प्रसाद गरला निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

सपा की जिला कार्यकारिणी ने की मासिक बैठक

ग्रेटर नोएडा। समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने शनिवार को बैठक की। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र नागर ने किया। सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में जनता के हितों की अनदेखी की जा रही है। गरीब, मजदूर, किसान, व्यापारी समेत सभी वर्ग परेशान हैं, लेकिन सरकार किसी की नहीं सुन रही। मीडिया प्रभारी विनोद लोहिया ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने जनता की कमर तोड़ रखी है। भाजपा का जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है। वो केवल अपने राजनीतिक हितों के लिए जनता को गुमराह कर रहे हैं। बैठक में फकीर चंद नागर, इन्दर प्रधान, विक्रम सफीपुर, कृष्णा चौहान, रामशरण नागर एडवोकेट, लाल सिंह गौतम आदि मौजूद रहे।

बस की टक्कर से साइकिल सवार घायल

नोएडा। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में बुधवार रात बाइक से घर जा रहा कंपनीकर्मी बस की टक्कर घायल हो गया। युवक के भाई ने बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जिला इटावा के विवामऊ गांव निवासी प्रदीप पाल ने पुलिस को बताया कि भाई दिलीप पाल नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। वह वर्तमान में रसूलपुर नवादा गांव में किराए पर रहता है। 30 अप्रैल की रात करीब आठ बजे वह कंपनी से घर बाइक से लौट रहा था। सेक्टर-62 स्थित शौर्य अपार्टमेंट के पास एक बस के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उसकी बाइक में टक्कर मार दी। उसे दिल्ली से सफदरजंग अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

परीक्षा केंद्र पर झुमके और कंगन पहनकर न पहुंचे, फुल स्लीव्स के कपड़े भी बैन

25 केंद्रों पर आज करीब आठ हजार विद्यार्थी देंगे परीक्षा

ग्रेटर नोएडा। जिले के 25 केंद्रों पर आज नीट परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों को पीने के पानी की पारदर्शी बोतल ही लानी होगी। पैरों में कम हील की फुटवेयर या स्लिपर पहनकर आना होगा। अगर कोई अभ्यर्थी धार्मिक यंत्र या कलावा पहनता है, तो उसे चेकिंग के लिए समय से पहले पहुंचना होगा।

विद्यार्थियों को हल्के कपड़े पहनकर आने की सलाह दी गई है। पूरी बांह के कपड़े पहनने वाले विद्यार्थियों को भी समय से पहले रिपोर्ट करना होगा। साथ ही ड्रेस कोड के मुताबिक एग्जाम सेंटर पर किसी भी तरह की ज्वेलरी पहनकर नहीं जा सकते। इसमें झुमका, कंगन, चेन, अंगूठी जैसी चीजें शामिल हैं। छात्र पूरी बाजू के कपड़े पहनकर परीक्षा नहीं दे सकते। सिर्फ हाफ स्लीव यानी आधी बाजू वाली टी-शर्ट या शर्ट ही पहनने की अनुमति है। कपड़ों पर बहुत बड़े बटन, कढ़ाई या बड़ी पॉकेट नहीं होनी चाहिए। किसी भी तरह की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, घड़ी या मेटल आइटम साथ न ले जाएं। बाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, कैलकुलेटर या स्मार्ट गैजेट्स शामिल हैं।

ड्यूटी लगाते समय पक्षपात का आरोप : प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने केंद्रों पर ड्यूटी लगाते समय पक्षपात का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हर परीक्षा में प्राथमिक शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी जाती है। जब इस परीक्षा में मानदेय अधिक मिलना है तो उन्हें ड्यूटी से दूर कर माध्यमिक शिक्षकों को लगाया गया है। वहीं डीआईओएस ने आरोपों को निराधार बताया।

उन्होंने कहा कि जरूरत के हिसाब से ही तैनाती की गई है। वहीं, दूसरी ओर परीक्षा के दौरान 25 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। साथ ही रिजर्व स्टेटिक मजिस्ट्रेट भी लगाए गए हैं। परीक्षा दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक होगी।

दुकान बेचने का झांसा देकर एक करोड़ ठगे

न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने बिल्डर समेत पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली के एक दुकानदार ने एक बिल्डर और कुछ लोगों पर दुकान बेचने का झांसा देकर एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप लगाया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने बिल्डर समेत पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। दिल्ली गांधीनगर के रहने वाले होरीलाल ने न्यायालय को बताया कि वह गाजियाबाद में पान की दुकान चलाता है। उसे नोएडा में एक दुकान की तलाश थी। यह बात दुकानदार ने अपने दोस्त सूरज को बताई। सूरज ने दुकानदार होरीलाल को एक बिल्डर के प्रोजेक्ट में दुकान दिलाने का झांसा दिया। उसकी मुलाकात एक प्रॉपर्टी डीलर आदित्य राज सक्सेना से करवाई। वहीं, प्रॉपर्टी डीलर ने पीड़ित की मुलाकात शिवदत्त शर्मा नाम के एक व्यक्ति से करवाई।

शिवदत्त ने कहा कि नोएडा में एक बिल्डर के प्रोजेक्ट में उसकी दुकान बुक है, जिसकी रजिस्ट्री अभी नहीं हुई है। पीड़ित को झांसा दिया कि वह बाकी पैसा बिल्डर को दे दे तो वह उसके नाम पर रजिस्ट्री कर देंगे। दुकान खरीदने के लिए 65 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। शिवदत्त शर्मा ने पूर्व में बिल्डर को बीस लाख रुपये दिए थे, बाकी 45 लाख रुपये भी बिल्डर के यहां जमा कर दिए। होरीलाल को बताया गया कि पहले दुकान शिवदत्त के नाम रजिस्टर्ड होगी। इसके बाद उसके नाम पर की जाएगी।

आरोप है कि पूरा पैसा लेने के बावजूद भी होरीलाल के नाम पर दुकान की रजिस्ट्री नहीं की गई। पीड़ित का आरोप है कि उसे झांसे में लेकर करीब 1 करोड़ 9 लाख रुपये जमा करवा लिए गए और दुकान पर कब्जा नहीं दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि इसमें बिल्डर की मिलीभगत सामने आई। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मजबूरन पीड़ित को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

अब इस मामले में न्यायालय के आदेश पर सेक्टर 142 थाना पुलिस ने बिल्डर अशीष भूटानी, शिवदत्त शर्मा, आदित्य राज सक्सेना, विदित शर्मा और चिराग शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अलग-अलग जगहों पर दो अज्ञात लोगों के मिले शव

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के रोजा जलालपुर गांव के शराब के ठेके के पास एक 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव शनिवार को पुलिस को मिला है। वहीं थाना सूरजपुर क्षेत्र में एक 21 वर्षीय अज्ञात युवक का शव पुलिस को मिला है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि शनिवार को थाना पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम रोजा जलालपुर के शराब के ठेके के पास पास एक 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस आसपास के लोगों और सोशल मीडिया की सहायता से शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उक्त व्यक्ति की मौत मदिरा के ज्यादा सेवन के चलते हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस हर पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि शनिवार को थाना पुलिस को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र मे एक 25 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का लहूलुहान शव पड़ा है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उक्त व्यक्ति को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया है, जिसकी वजह से उसकी मौत हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

स्कूल न जाने वाले बच्चों के दाखिले के लिए शुरू होगा अभियान

छह से 14 वर्ष के विद्यार्थियों को किया जाएगा चिह्नित

यमुना सिटी। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से अभियान चलाया जाएगा। शिक्षक स्कूल न जाने वाले 6 से 14 साल तक के बच्चों को चिह्नित कर उनका दाखिल कराएंगे। इसकी रिपोर्ट विभाग के उच्च अधिकारियों और शासन को भी भेजी जाएगी।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के पीछे की सरकार की मंशा है कि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में काफी बच्चे हैं, जो अब भी विद्यालय नहीं जाते। इन्हीं बच्चों को स्कूल भेजा जाएगा। इसमें विशेष रूप से ईंट-भट्ठों, झुग्गी-झोपड़ियों और श्रमिक बस्तियों में रहने वाले बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

> **शिक्षा विभाग की यह पहल समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी।**
> *- राशिद खान, खंड शिक्षा अधिकारी*

अधिकारियों ने बताया कि कक्षा 5 और 8 के बच्चों के ड्रॉपआउट को रोकने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई है। साथ ही दिव्यांग बच्चों के नामांकन को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं बालिकाओं को बढ़ावा देने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अधिक से अधिक प्रवेश सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे।

जेवर में भारी मालवाहक वाहनों पर रोक लगी

सुबह 7 से रात 9 बजे तक प्रवेश नहीं मिलेगा आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छूट रहेगी

ग्रेटर नोएडा। जेवर कस्बे में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए एक मई से भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर 14 घंटे तक रोक लगा दी गई। वे सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक कस्बे में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

ट्रैफिक पुलिस ने नए यातायात नियम शुरू कर एडवाइजरी जारी कर दी है। यह निर्णय एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों और अन्य गतिविधियों के कारण लगने वाले जाम को कम करने के लिए लिया गया। इस दौरान आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छूट मिलेगी। इससे पहले कस्बे में भारी माल वाहक वाहनों के लिए सुबह सात बजे से 10 बजे और शाम को तीन बजे से रात्रि आठ बजे तक प्रवेश पर रोक थी। इसके बावजूद निर्माण साइट और अन्य स्थानों पर आने-जाने वाले भारी वाहनों की वजह से कस्बे में दिनभर जाम जैसी स्थिति बनी रहती थी।

इसके चलते डीसीपी ट्रैफिक ने एक मई से जेवर कस्बे में सुबह सात बजे से रात्रि नौ बजे तक नो एंट्री लागू की है। इस दौरान एलपीजी, सीएनजी, पेट्रोलियम पदार्थ वाले वाहन एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली, दूध ब्रेड आदि आवश्यक सेवाओं में लगे वाहनों को छूट रहेगी। इन स्थानों पर वाहनों को रोका जाएगा ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक सुबह सात बजे से रात्रि नौ बजे के बीच हरियाणा और अलीगढ़ की तरफ से आने वाले वाहनों को गोपालगढ़ गांव के पास रोका जाएगा।

खुर्जा बुलंदशहर की तरफ से आने वाले वाहनों को जहांगीरपुर नहर के पास और थोरा के पास रोका जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे, नोएडा एयरपोर्ट, रबूपुरा और यीडा क्षेत्र की तरफ से आने वाले वाहनों को साबौता अंडरपास के समीप रोका जाएगा।

स्पोर्ट्स कॉलेजों में दाखिले शुरू मंडलस्तरीय ट्रायल आज से

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच प्रमुख स्पोर्ट्स कॉलेजों में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इनमें 300 से अधिक सीटों पर ट्रायल के आधार पर चयन होगा। मंडल स्तरीय ट्रायल 15 से 25 मई के बीच होंगे। वहीं, राज्य स्तरीय ट्रायल 3 से 6 जून के बीच लखनऊ, गोरखपुर, सैफई में होंगे। उसके बाद सफल आवेदनकर्ताओं का मेडिकल कराने के बाद प्रवेश दिया जाएगा।

प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. परवेज अली ने कहा कि प्रदेश के अयोध्या, सहारनपुर, गोरखपुर, मुरादाबाद, वाराणसी, आगरा, प्रयागराज और लखनऊ समेत आठ शहरों में ट्रायल होंगे। इनमें गौतमबुद्ध नगर समेत प्रदेश के अन्य जिलों के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। स्पोर्ट्स कॉलेजों में इस बार अलग-अलग आयु वर्ग और खेल श्रेणियों में कुल 84, 115 और 159 सीटों पर प्रवेश होगा। चयन खिलाड़ियों के प्रदर्शन, फिटनेस और खेल कौशल के आधार पर होगा। ट्रायल के दौरान विशेषज्ञ कोच और चयन समिति खिलाड़ियों का मूल्यांकन करेंगे।

डॉ. परवेज अली ने बताया कि राज्य के स्पोर्ट्स कॉलेज केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि खेल प्रशिक्षण के लिए भी जाने जाते हैं। यहां खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं, अनुभवी कोचिंग स्टाफ और बेहतर प्रशिक्षण वातावरण मिलता है। यही कारण है कि इन कॉलेजों से निकलकर कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में मदद मिलेगी।

क्रिक प्रीमिस ने 100 रन से जीता मैच

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित सेंचुरियन क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए टी-20 मुकाबले में क्रिक प्रीमिस ने एलएफजी ग्लैडिएटर्स को 100 रनों से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी क्रिक प्रीमिस की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 215 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलएफजी ग्लैडिएटर्स की टीम 13 ओवर में 115 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अनुज चौहान को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

बिजली-पानी संकट पर भड़के निवासी गौड़ यमुना सिटी में जोरदार प्रदर्शन

यमुना सिटी। गौड़ यमुना सिटी स्थित एक आवासीय सोसाइटी में बिजली और पानी की गंभीर समस्या को लेकर शनिवार को निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने मेंटेनेंस कार्यालय के बाहर एकत्र होकर जमकर नारेबाजी की और प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया। सोसाइटी के 16वें पार्क व्यू क्षेत्र में जुटे निवासियों ने आरोप लगाया कि यहां लंबे समय से बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या बनी हुई है।

रातभर बिजली बाधित रहने के कारण एसी और अन्य घरेलू उपकरण सही ढंग से काम नहीं कर पा रहे हैं, जिससे गर्मी के मौसम में स्थिति और अधिक परेशानी भरी हो गई है। निवासियों का कहना है कि वे लंबे समय से 33 केवी नई लाइन बिछाने और पुरानी केबल बदलने की मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रबंधन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। आरोप है कि सोसाइटी में निम्न गुणवत्ता की केबल लगाई गई हैं, जो बढ़ते लोड को सहन नहीं कर पा रही हैं, विशेषकर एसी और वाहन चार्जिंग के दौरान समस्या और बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले भी इसी तरह का प्रदर्शन किया गया था, जिसके बाद अस्थायी समाधान के तौर पर 550 केवीए का डीजी सेट उपलब्ध कराया गया था। हालांकि, अब फिर वही समस्या सामने आ गई है, जिससे लोग स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन के बाद सोसाइटी प्रबंधन ने 10 मई तक समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। हालांकि, निवासियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में शामिल अतुल चौधरी ने कहा कि हर केवल और बेहतर बिजली व्यवस्था मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

वहीं अभिषेक और अन्य निवासियों ने भी कहा कि लगातार बिजली कटौती से हालात बेहद खराब हो गए हैं और इसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी ने निवासियों की परेशानी और बढ़ा दी है, जिससे क्षेत्र में असंतोष का माहौल बना हुआ है।

स्पोर्ट्स फेस्ट 400 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

ग्रेटर नोएडा। जेपी इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जेपी स्पोर्ट्स फेस्ट 2026 का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में 6 खेल प्रतिस्पर्धा में 400 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में गर्ल्स अंडर-11 में नव्या गुप्ता विजेता रहीं। वहीं अंडर-13 और अंडर-15 में मायरा लोहानी ने जीत दर्ज की। जबकि अंडर-17 में त्रिशा ने पहला स्थान हासिल किया। बालक वर्ग में अंडर-11 में भावित कुमार, अंडर-13 में रुद्रांश चौहान, अंडर-15 में निर्वाण खुराना और अंडर-17 में गौरव पांडे विजेता रहे। फुटबॉल के अंडर-12 और अंडर-14 वर्गों में समरविले स्कूल ग्रेटर नोएडा ने जीत हासिल की। स्वैश प्रतियोगिता में गर्ल्स अंडर-17 में वाणी, बॉयज अंडर-15 में रिदान गुप्ता और गर्ल्स अंडर-13 में नैना गोयल ने पहला स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सीएम रेखा गुप्ता ने समस्याओं के समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को आयोजित जनसुनवाई में शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याएं, शिकायतें और सुझाव गंभीरता से सुने। बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न परेशानियां सीधे मुख्यमंत्री के सामने रखीं। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने और तय समय में समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

उन्होंने साफ कहा कि जनसुनवाई केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह जनता की अपेक्षाओं को समझने और उन्हें जल्द पूरा करने का एक प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई से मिलने वाले सुझाव और फीडबैक सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इन्हीं के आधार पर नीतियों और योजनाओं को अधिक जनोन्मुखी बनाया जाता है। उन्होंने दोहराया कि दिल्ली सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के व्यापक विकास के लिए कई काम तेजी से किए जा रहे हैं। इनमें सड़कों को मजबूत बनाना, साफ और निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करना, अटल कैंटीन की स्थापना, आयुष्मान जन आरोग्य मंदिरों का विस्तार, वाटर एटीएम लगाना, पार्कों का आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण तथा व्यवस्थित पार्किंग सुविधाओं का विकास शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य शालीमार बाग को एक आदर्श विधानसभा के रूप में विकसित करना है, जहां नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएं उच्च गुणवत्ता के साथ उपलब्ध हों। इसके लिए निरंतर निगरानी और समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे और कई मामलों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कर नागरिकों को राहत प्रदान की जाए।

दिल्ली प्रशासन ने किरायेदारों और प्रवासियों से जनगणना में स्वयं भाग लेने का आग्रह किया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के वार्ड क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों से अधिकारियों ने जनगणना 2027 के लिए जारी स्व-गणना कवायद में भाग लेने का आग्रह किया है। नगर निगम के वार्डों में रहने वाले निवासियों में किरायेदार और प्रवासी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने लोगों को इस प्रक्रिया में संभावित धोखाधड़ी के प्रति आगाह भी किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को स्वैच्छिक स्व-गणना कवायद शुरू हुई, जिसमें दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू सहित कई निवासियों ने पहले ही दिन इस प्रक्रिया को पूरा कर लिया। इस प्रक्रिया के तहत, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के निवासियों को निर्धारित जनगणना पोर्टल पर अपने परिवार का विवरण भरना होगा। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि निवास स्थान की स्थिति चाहे जो भी हो, सभी निवासी इसमें भाग लेने के पात्र हैं। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, "दिल्ली की आबादी का एक बड़ा हिस्सा प्रवासियों और किरायेदारों का है, इसलिए शहर की जनसंख्या का सटीक आकलन सुनिश्चित करने के लिए उन्हें विशेष रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।" उन्होंने कहा, "किरायेदारों और प्रवासी निवासियों की भागीदारी जनसंख्या की वास्तविक स्थिति जानने के लिए महत्वपूर्ण है।" इसके साथ ही, अधिकारियों ने जनगणना के नाम पर हो रही धोखाधड़ी की गतिविधियों के बारे में भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कुछ जालसाज जनगणना प्रक्रिया में सहायता करने के बहाने निवासियों से ओटीपी और बैंक विवरण जैसी संवेदनशील जानकारी निकालने का प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में एक अधिकारी ने लोगों से सतर्क रहने का आग्रह करते हुए कहा, "जनगणना संबंधी कार्यों के लिए कोई भी अधिकृत अधिकारी ओटीपी, यूपीआई पिन या किसी भी प्रकार का भुगतान नहीं मांगेगा।" लोगों को सलाह दी गई है कि वे ऐसी किसी भी घटना की सूचना तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। अधिकारियों ने बताया कि एमसीडी वार्डों के सभी निवासी, निवास स्थान की स्थिति की परवाह किए बिना, जनगणना पोर्टल पर स्वैच्छिक स्व-गणना कवायद में भाग ले सकते हैं, जिसके लिए प्रति परिवार केवल एक लॉगिन की आवश्यकता होगी, जिसे परिवार का मुखिया या कोई भी सदस्य मोबाइल नंबर का उपयोग करके पूरा कर सकता है। उन्होंने कहा कि उपयोगकर्ताओं को पहली बार लॉगिन करते समय एक भाषा का चयन करना होगा, जिसे बाद में बदला नहीं जा सकता, और उपग्रह मानचित्र पर स्थान का चयन करके, पता खोजकर, या अक्षांश और देशांतर को मैन्युअल रूप से दर्ज करके अपने निवास के भौगोलिक निर्देशांक प्रदान करने होंगे। फॉर्म जमा करने के बाद, 11 अंकों की स्व-गणना आईडी बनेगी, जिसे निवासियों को 16 मई से 14 जून तक निर्धारित अभियान के दौरान घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने वाले गणनाकर्ताओं को दिखाना होगा।

बरगी डैम क्रूज हादसा: दिल्ली का परिवार उजड़ा
मां-बेटी और मासूम की मौत

❖ जनभावना टाइम्स

फाइल फोटो

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में गुरुवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। टूरिस्ट क्रूज के डूबने से कई लोगों की जान चली गई, जिनमें दिल्ली मायापुरी के एक ही परिवार के तीन सदस्य भी शामिल हैं। मृतकों की पहचान मधु (माता), पिंकी (बेटी) और चार वर्षीय जहान (नाती) के रूप में हुई है। हादसे में परिवार के मुखिया को स्थानीय लोगों ने रस्सी के सहारे बचा लिया, लेकिन वह गहरे सदमे में हैं।

मृतक परिवार के भाई कुलदीप ने बताया कि परिवार जबलपुर अपने रिश्तेदारों के यहां नए घर के कार्यक्रम और एक एनिवर्सरी समारोह में शामिल होने आया था। कार्यक्रम के बाद परिवार के सदस्य बरगी डैम घूमने पहुंचे, जहां उन्होंने टूरिस्ट क्रूज की सवारी की। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

परिवार के सदस्य कुलदीप ने बताया कि हादसे से ठीक पहले उनकी वीडियो कॉल पर बात हो रही थी। कॉल के दौरान उनकी बहन ने घबराते हुए कहा– "हमें बचा लो, हम डूब रहे हैं३" इसके बाद फोन पानी में गिर गया और संपर्क टूट गया। यह आखिरी बातचीत अब परिवार के लिए एक दर्दनाक याद बन गई है।

रंजीत नगर पुलिस ने शातिर चोर को दबोचा
निर्माणाधीन भवन से बरामद हुआ लॉकर

नई दिल्ली। मध्य जिला के रंजीत नगर थाना पुलिस ने दिनदहाड़े हुई चोरी की वारदात का कुछ ही घंटों में खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से करीब 25 लाख रुपये कीमत के जेवरात, नकदी और चोरी का लॉकर बरामद किया गया है। आरोपित कई पुराने चोरी और आपराधिक मामलों में पहले से शामिल रह चुका है।

मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने शनिवार को बताया कि 28 अप्रैल को पश्चिम पटेल नगर स्थित एक घर में दिनदहाड़े चोरी की सूचना मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे से 7 बजे के बीच अज्ञात चोर घर में घुसकर लॉकर समेत सोने-चांदी के जेवर, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गया। चोरी गए सामान में सोने की अंगूठियां, कंगन, पेंडेंट, चेन, चांदी के आभूषण, नकदी और परिवार के अन्य सदस्यों के जेवर शामिल थे। शिकायत के आधार पर रंजीत नगर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो वहां से एक संदिग्ध मोबाइल फोन बरामद हुआ। इसी बीच उस मोबाइल पर आई एक कॉल ने जांच को नई दिशा दे दी। पुलिस ने योजना बनाते हुए हेड कांस्टेबल विकास को फल विक्रेता बनाकर तैनात किया। उन्होंने मोबाइल लौटाने का झांसा देकर संदिग्ध को बुलाया। आरोपित जैसे ही तय स्थान पर पहुंचा और मोबाइल के बदले 500 रुपये इनाम देने की बात कही, पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। पकड़े गए आरोपित की पहचान कलाम नदाफ (23) के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली। आरोपित ने बताया कि घर से चोरी के दौरान वह जेवरात, नकदी और लॉकर उठा ले गया था, लेकिन लॉकर भारी होने के कारण पास के एक निर्माणाधीन भवन में छिपा दिया था। आरोपित की निशानदेही पर पुलिस ने निर्माणाधीन भवन से चोरी किया गया लॉकर बरामद किया। शिकायतकर्ता की मौजूदगी में लॉकर खोला गया, जिसमें करीब 25 लाख रुपये मूल्य के जेवरात मिले। इसके अलावा आरोपित के पास से कृत्रिम आभूषण और 920 रुपये नकद भी बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक आरोपित स्कूल ड्रॉपआउट है और आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में चोरी, सेंधमारी और आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं।

दिल्ली विधानसभा में छह मई को 'संगीतमय राम कथा' का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में छह मई को एक विशेष आध्यात्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम 'संगीतमय राम कथा' का आयोजन किया जाएगा। इसमें डॉ. कुमार विश्वास अपनी विशिष्ट शैली में श्रीराम के जीवन, उनके आदर्शों और मानवीय मूल्यों को संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से "अपने अपने राम" को जीवंत करेंगे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कथा-श्रवण तक सीमित नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को मर्यादा, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा के मूल्यों से प्रेरित करना है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को बताया कि राम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन के आदर्श पुरुष हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य और धर्म के मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिए। 'संगीतमय राम कथा' के माध्यम से इन सिद्धांतों को आधुनिक संदर्भों में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे नई पीढ़ी भी इन मूल्यों को सहज रूप से आत्मसात कर सके।

उन्होंने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम में केंद्र सरकार के मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमंडल के सदस्य, लोकसभा और राज्यसभा के दिल्ली के सांसद, दिल्ली विधानसभा के सभी माननीय सदस्य तथा दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी आमंत्रित किए गए हैं। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम में राम के जीवन की प्रमुख घटनाओं, जैसे त्याग, संघर्ष, कर्तव्यपालन और आदर्श नेतृत्व को संगीत, काव्य और कथन के समन्वय से प्रस्तुत किया जाएगा।

ऑनलाइन पुरानी कार बेचने के नाम पर दो लाख की ठगी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। ऑनलाइन सेकेंड हैंड कार बेचने का झांसा देकर दो लाख रुपये की ठगी करने वाले एक आरोपित को पूर्वी जिला साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित का नाम अमन सेठी है।

वह खुद को नामी ऑनलाइन कार सेल-पर्चेज प्लेटफॉर्म का कर्मचारी बताकर लोगों को भरोसे में लेता था और बुकिंग एवं प्रोसेसिंग चार्ज के नाम पर रकम अपने खाते में ट्रांसफर करा लेता था। पुलिस ने बताया कि त्रिलोकपुरी निवासी पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना ईस्ट में 16 अप्रैल 2026 को ई-एफआईआर संख्या 127/26 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे एक व्यक्ति ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सेकेंड हैंड कार बेचने का प्रस्ताव दिया और भरोसा जीतकर बुकिंग व प्रोसेसिंग चार्ज के नाम पर दो लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। रकम लेने के बाद आरोपी ने न तो कार दी और न ही पैसे लौटाए। बाद में उसने फोन उठाना भी बंद कर दिया।

पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को बताया कि मामले की जांच के दौरान साइबर थाना पुलिस की टीम ने बैंक ट्रांजैक्शन और डिजिटल फुटप्रिंट खंगाले। .जांच में पता चला कि ठगी की रकम भारतीय स्टेट बैंक के एक खाते में ट्रांसफर हुई थी। खाते की केवाईसी और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपित की पहचान अमन सेठी के रूप में हुई। पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपित गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना ठिकाना बदल चुका था।

आखिरकार तकनीकी निगरानी और मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित पहले भी इसी तरह के एक ठगी के मामले में शामिल रह चुका है, जो कृष्णा नगर थाने में दर्ज है। पुलिस अब उसके अन्य साथियों और पूरे मनी ट्रेल की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपित ऑनलाइन सेकेंड हैंड कार तलाश रहे लोगों को निशाना बनाता था। वह खुद को प्रतिष्ठित कार बिक्री प्लेटफॉर्म का कर्मचारी बताकर कार की तस्वीरें और डिटेल भेजता, फिर बुकिंग या प्रोसेसिंग फीस के नाम पर एडवांस मांगता। रकम मिलते ही संपर्क तोड़ देता था।

संदीप पाठक पर दो एफआईआर दर्ज, भाजपा ने भगवंत मान पर बदले की कार्रवाई का लगाया आरोप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा ने भगवंत सरकार पर निशाना साधते हुए इसे बदले की भावना से की गई कार्रवाई बताया। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंजाब पुलिस ने राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के आवास पर छापेमारी की कोशिश की, जबकि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पहले से ही खराब बनी हुई है। आम आदमी पार्टी की सरकार में पुलिस अपराध पर नियंत्रण करने के बजाय इस तरह की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार के प्रति लोगों के मन में गुस्सा है। इसी हताशा, निराशा और गुस्से के चलते बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से जवाब मांगते हुए 'नई राजनीति' के दावों पर भी सवाल खड़े किए।

धौलाकुंआ चलने के बहाने ऑटो बुक कर चालक को मारा चाकू, तीन नाबालिग लुटेरे दबोचे

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के नरायणा इलाके में धौलाकुआं जाने के बहाने ऑटो बुक कर चालक से लूटपाट और चाकूबाजी करने वाले तीन नाबालिगों को पश्चिमी जिला पुलिस ने वारदात के दो घंटे के भीतर पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इंदरपुरी निवासी कैलाश ऑटो चालक है।

उसने पुलिस को बताया कि 29 अप्रैल की तड़के करीब तीन बजे नरायणा फ्लाईओवर के पास तीन लड़कों ने उसका ऑटो धौलाकुआं जाने के लिए बुक किया था। रास्ते में तीनों ने उस पर हमला कर 500 रुपये लूट लिए। इसके बाद आरोपितों ने उसका मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर एक लड़के ने चाकू निकालकर कैलाश पर वार कर दिया और तीनों मौके से फरार हो गए।

घायल अवस्था में कैलाश को उपचार के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर नरायणा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची, लेकिन उस समय डॉक्टरों ने उसे बयान देने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। शाम को हालत में सुधार होने के बाद पीड़ित के बयान पर मुकदमा दर्ज किया गया। एफआईआर दर्ज होते ही थाना नरायणा की टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

फुटेज में वारदात के समय तीन संदिग्ध किशोर नरायणा गांव की ओर भागते दिखाई दिए। फुटेज पीड़ित को दिखाई गई, जिसने तीनों की पहचान हमलावरों के रूप में कर दी। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और सीसीटीवी ट्रेल के आधार पर नरायणा गांव स्थित एक किराए के मकान पर दबिश देकर तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में तीनों ने लूट और हमले की वारदात स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर एक किचन नाइफ बरामद की गई, जिसका इस्तेमाल ऑटो चालक पर हमला करने में किया गया था।

फर्जी रजिस्ट्रेशन कर बेच डालीं 1000 से ज्यादा चोरी की गाड़ियां, आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने चोरी की लग्जरी गाड़ियों के फर्जी रजिस्ट्रेशन कर उन्हें बाजार में बेचने वाले अंतरराज्यीय सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 31 हाई-एंड वाहन बरामद हुए हैं, जिनके चेसिस नंबर से छेड़छाड़ की गई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह अब तक 1000 से अधिक चोरी और लोन डिफॉल्ट वाहनों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वैध दिखाकर बेच चुका है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने शनिवार को बताया कि गिरोह चोरी और लोन डिफॉल्ट वाहनों को खरीदने के बाद उनके चेसिस नंबर बदल देता था। इसके बाद फर्जी फॉर्म-21, बैंक एनओसी और अन्य दस्तावेज तैयार कराकर परिवहन विभाग में उनका दोबारा पंजीकरण कराया जाता था। बाद में इन्हें असली कागजात वाली गाड़ी बताकर बाजार में बेच दिया जाता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले का खुलासा पीतमपुरा से अगस्त 2025 में चोरी हुई एक हुंडई क्रेटा की जांच के दौरान हुआ। वाहन चोरी की शिकायत मौर्य एन्क्लेव थाने में दर्ज कराई गई थी। बाद में जांच इंटर स्टेट सेल, क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। तकनीकी और जमीनी जांच में सामने आया कि एक बड़ा गिरोह सुनियोजित तरीके से वाहन चोरी, चेसिस नंबर बदलने और फर्जी रजिस्ट्रेशन कराने का काम कर रहा है।

जालंधर का कार डीलर निकला मास्टरमाइंड

गिरफ्तार मुख्य आरोपित दमनदीप सिंह उर्फ लकी जालंधर में सेकेंड हैंड कार डीलरशिप चलाता है। पुलिस के अनुसार वही पूरे नेटवर्क का संचालन करता था। चोरी के वाहन खरीदने से लेकर चेसिस बदलवाने, फर्जी कागजात बनवाने, रजिस्ट्रेशन कराने और बिक्री तक की पूरी व्यवस्था उसी के इशारे पर होती थी।पुलिस ने उसके साथ अरविंद शर्मा को गिरफ्तार किया, जो फर्जी दस्तावेज तैयार कर पंजीकरण फाइलें लगवाता था। अमनदीप को बतौर बिचौलिया और फील्ड ऑपरेटिव पकड़ा गया। इसके बाद जांच में सुभाष चंद, जो हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर स्थित आरएलए कार्यालय में क्लर्क है, को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि उसने 350 से अधिक फर्जी रजिस्ट्रेशन कराने में मदद की। पुलिस ने आगे कार्रवाई करते हुए चोरी की गाड़ियां उपलब्ध कराने वाले मनबीर सिंह उर्फ मिंटा, हेमराज सिंह उर्फ हेमा, कंवलजीत उर्फ जॉली और बृज मोहन कपूर उर्फ बॉबी को गिरफ्तार किया। वहींचेसिस नंबर बदलने वाले मैकेनिक परदीप सिंह उर्फ हीरा को भी गिरफ्तार किया गया, जिसने कथित तौर पर कई गाड़ियों के नंबर बदलकर नई पहचान दी।

पांच राज्यों में फैला था नेटवर्क

क्राइम ब्रांच की टीम ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उप्र और हिमाचल प्रदेश में छापेमारी कर गिरोह के सदस्यों को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ था और हर सदस्य की अलग भूमिका तय थी। कोई चोरी की गाड़ियां उपलब्ध कराता था, कोई चेसिस नंबर बदलता था, कोई फर्जी दस्तावेज तैयार करता था और कुछ लोग परिवहन विभाग में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कराते थे।

ट्रांसपोर्ट विभाग के कर्मचारी भी जांच के घेरे में

जांच में सामने आया कि हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर स्थित आरएलए कार्यालय का एक क्लर्क भी गिरोह के संपर्क में था। आरोप है कि उसने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 350 से अधिक वाहनों के रजिस्ट्रेशन में मदद की। पुलिस परिवहन विभाग के अन्य कर्मचारियों और एजेंटों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

इसके अलावा गिरोह से जुड़े टिफल नौखेज को भी दबोचा गया, जो इन फर्जी वाहनों का इस्तेमाल नशीले पदार्थों की तस्करी में करता था।ऐसे करता था गिरोह कामगिरोह पहले चोरी या लोन डिफॉल्ट वाहन हासिल करता था। फिर तकनीकी विशेषज्ञ चेसिस और इंजन नंबर बदलते थे।

दिनदहाड़े पांच लाख की लूट का खुलासा, दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली सनलाइट कॉलोनी इलाके में दिनदहाड़े पांच लाख रुपये की लूट और फायरिंग की वारदात का दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पर्दाफाश कर दिया है। मामले में दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उनका एक साथी अब भी फरार है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूटी गई 3.92 लाख रुपये की नकदी, पीड़ित का मोबाइल फोन, एक देसी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, बटनदार चाकू और वारदात में इस्तेमाल स्पोर्ट्स बाइक बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बिजेंद्र यादव (32) निवासी बागपत, उप्र और पवन गिरी (32) निवासी मेरठ, उप्र के रूप में हुई है। दोनों का आपराधिक इतिहास रहा है और कई गंभीर मामलों में पहले भी नाम सामने आ चुका है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने शनिवार को बताया कि 25 अप्रैल की शाम करीब 6:40 बजे शिकायतकर्ता शाकिर अली अपने साले जीशान के साथ काले रंग की स्प्लेंडर बाइक पर जा रहे थे। जीशान के पास एक बैग में पांच लाख रुपये नकद थे, जो वह पुरानी दिल्ली स्थित एक रिश्तेदार से लेकर लौट रहे थे।

जैसे ही वे सनलाइट कॉलोनी इलाके में पहुंचे, स्पोर्ट्स बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उन्हें घेरकर रोक लिया। बदमाशों में दो के हाथ में पिस्टल और एक के पास चाकू था। आरोपितों ने नकदी से भरा बैग छीनने की कोशिश की, लेकिन जीशान ने विरोध किया। विरोध होते ही एक बदमाश ने शाकिर अली के पेट में गोली मार दी, जबकि दूसरे ने जीशान पर चाकू से हमला कर दिया। दोनों के घायल होने के बाद आरोपित बैग में रखे पांच लाख रुपये और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पहले होली फैमिली अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एम्स रेफर कर दिया गया।

शिकायत के आधार पर सनलाइट कॉलोनी थाने में लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल को सौंपी गई। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय इनपुट जुटाए। जांच के दौरान 1 मई को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वारदात में शामिल आरोपित आई.पी. पार्क रिंग रोड के पास आने वाले हैं। सूचना के आधार पर एसीपी पंकज अरोड़ा की देखरेख में टीम गठित कर जाल बिछाया गया। करीब 7:30 बजे स्पोर्ट्स बाइक पर आए दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। इसी दौरान आरोपित पवन गिरी ने पुलिस टीम पर पिस्टल तान दी, लेकिन हेड कांस्टेबल विनीत ने साहस दिखाते हुए उससे हथियार छीन लिया और दोनों आरोपितों को दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपित पवन के पास से 1.94 लाख रुपये नकद, लूटा गया मोबाइल फोन और देशी पिस्टल बरामद हुई। वहीं बिजेंद्र के पास से 1.98 लाख रुपये नकद और बटनदार चाकू बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि बरामद नकदी लूट की रकम में उनका हिस्सा है और बरामद पिस्टल का इस्तेमाल ही वारदात में किया गया था।

वारदात से पहले की थी रेकी

आरोपितों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने वारदात से पहले पीड़ितों की गतिविधियों की रेकी की थी। उन्हें पहले से जानकारी थी कि पीड़ित बड़ी रकम लेकर निकलने वाले हैं। इसके बाद योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस के मुताबिक वारदात में शामिल तीसरा आरोपित संजय अभी फरार है, जिसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। वहीं पूछताछ में यह भी सामने आया कि वारदात में इस्तेमाल की गई स्पोर्ट्स बाइक वर्ष 2024 में सहारनपुर (उप्र) से छीनी गई थी। इस संबंध में वहां भी मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार बिजेंद्र यादव पहले आबकारी अधिनियम के दो मामलों और हत्या के प्रयास के एक मामले में शामिल रहा है। वहीं पवन गिरी मेरठ के एक हत्या के मामले में आरोपी है और फिलहाल जमानत पर बाहर था।

संपादकीय

जर्मनी से लौटेंगे अमेरिकी सैनिक

मध्य एशिया में चल रहे युद्ध के बीच अमेरिका ने विदेशी सैन्य अड्डों से अपने सैनिकों को वापसी का निर्देश सुना दिया है। इसकी वजह अमेरिका ईरान युद्ध के दौरान यूरोप में बढ़ता तनाव बताई जा रही है। जिसके बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूरोपीय देशों को कई बार खरी खोटी सुना चुके हैं। यह फैसला ऐसे समय लिया गया जब ट्रंप ने नाटो देशों से अपने सैनिकों को वापस बुलाने की धमकी दी थी। यह धमकी तब दी गई जब जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज का यह बयान सामने आया कि ईरान सरकार अमेरिका को बेइज्जत कर रही है। उन्होंने इस जंग के लिए अमेरिका और खासतौर पर ट्रंप की सीधे सीधे आलोचना की थी। इस फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पेंटागन ने कहा है कि जमीनी हालत को ध्यान में रखते हुए सैन्य स्थिति की गहन समीक्षा के बाद लिया गया है। गौरतलब है कि जर्मनी में अमेरिका के लगभग 36 हजार सैनिक तैनात हैं। अमेरिका ने फिलहाल जर्मनी से अपने 5 हजार सैनिकों को वापस बुलाने की घोषणा की है। समझा जाता है कि इन सैनिकों की अगले 6 से 12 महीने में अमेरिका वापसी हो जाएगी। जर्मनी में अमेरिका के यूरोपियन कमांड और अफ्रीका कमांड का हेडक्वार्टर होने के अलावा रामस्टीन एयर बेस और लैंड स्टुहल रीजनल मेडिकल सेंटर शामिल हैं। यह अमेरिका का देश के बाहर स्थिति सबसे बड़ा स्वदेशी अस्पताल है। जिसमें अफगानिस्तान और इराक जैसे युद्धग्रस्त क्षेत्रों से लाए गए घायल अमेरिकी सैनिकों का इलाज किया जाता है। यहां अमेरिका की परमाणु मिसाइलें भी तैनात बताई जाती हैं। विदेशी सैन्य अड्डों से सैनिकों की वापसी को ट्रंप की रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है। राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रंप नाटो की आलोचना करते आ रहे हैं। कभी वह नाटो को कागजी शेर बताते हैं, कभी नाटो को दिए जाने वाले आर्थिक सहयोग को बंद करने की धमकी देते हैं। कभी अमेरिका को नाटो से अलग करने की इच्छा जताने लगते हैं। ट्रंप के इस कार्यकाल और उनकी घोषणाओं के मद्देनजर यह कहा जा सकता है कि ट्रंप के सत्ता में आते ही धटो देश इस बात के लिए एकमत थे कि ट्रंप विदेशी सैन्य अड्डों से मेरिकी सैनिकों को कभी भी वापस बुला सकते है। क्योंकि ट्रंप ने नेतृत्व संभालते ही यूरोप को चेतावनी दी थी कि भविष्य में उसे अपनी और यूक्रेन की सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं उठानी पड़ेगी। यूरोप में अमेरिका के 80 हजार से एक लाख सैनिक तैनात रहते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही नाटो को इस आशंका थी कि अमेरिकी सैनिकों ही यहां से वापस कभी भी हो सकती है। और अब जबकि ट्रंप यह घोषणा कर चुके हैं तो समझा जा सकता है कि ट्रंप अप्रत्यक्ष रूप से नाटो को दबाव में लेना चाहते हैं।

श्रम के सम्मान से पूरा होगा विकसित भारत का स्वप्न

आज भारत में अनुमानतः कुल श्रमिकों में से लगभग 93 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र से आते हैं। उनके लिए न्यूनतम वेतन की सुरक्षा दे पाना आज भी बड़ी चुनौती है। उदाहरणार्थ कृषि कर्मियों को भी समुचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। ऐसे ही फ़ैक्ट्री या खदान के दमघोंटू ख़राब वातावरण में काम की अस्वास्थ्यकर दशाओं को सुधारना असंभव ही लगता है। सीवर में नीचे पैठ जाने कितने श्रमिक प्रतिवर्ष जान से हाथ धो बैठते हैं। बड़े पैमाने पर होने वाली घटनाएँ भी प्रभावित करती हैं। उदाहरणार्थ कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन हुआ। उसके चलते विस्थापन और नौकरी गँवाने की बड़ी घटनाएँ हुई। इनका सीधा असर गरीब जनता और दिहाड़ी मज़दूरों पर पड़ा। यह याद रखना होगा कि श्रम उत्पादन की शक्ति है जो ऐसे कार्य को द्योतित करती है जो लोग वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए करते हैं। श्रम में सभी मानवीय गतिविधियाँ (शारीरिक और मानसिक प्रयास) सम्मिलित होती हैं जो किसी उत्पाद या सेवा को समृद्ध कर मूल्यवान बनाती हैं। श्रमिक या मज़दूर समाज के ऐसे विशिष्ट समूह कहे जा सकते हैं जो इसमें संलग्न होते हैं।

गिरीश्वर मिश्र

श्रम और उत्पादकता के मध्य अनिवार्य रिश्ते के चलते श्रम पर वर्चस्व स्थापित करने और अपने हित में करने की जद्दोजहद लम्बे समय से चलती चली आ रही है। दास, दस्यु, भृत्य, बेगार और मज़दूर के रूप में समाज के कुछ हिस्से पीढ़ी-दर-पीढ़ी वंचित और उपेक्षित बने रहे। श्रमिक की स्थिति जाति की औक़ात से जुड़ गई। उनकी आर्थिक विपन्नता और निम्न सामाजिक स्थिति जगज़ाहिर है। उनका शोषण सदियों से होता चला आ रहा है। उनके साथ भेदभाव और पूर्वाग्रह का प्रमुख आधार अस्पृश्यता है जो सामाजिक दूरी को सुदृढ़ करती है।

समय के साथ इसके सामाजिक-राजनैतिक निहितार्थ जटिल होते गए हैं जिसका परिणाम आरक्षण नीति और उसे लागू करने में दिखते हैं। उनको निम्न स्तर के काम सौंप कर और फिर उस काम को 'हीन' कह कर उनसे दूरी बनाई गई। पीढ़ी-दर-पीढ़ी पीछे धकेले जाते रहने से जीवन शैली, विश्वास और परम्पराओं का भी भिन्न रूप बनता गया। एक ही समाज के अंग होने पर भी प्रभुत्व पर टिका सामाजिक स्तरीकरण 'अन्नदाता' (प्रभु) और 'सेवक' (आश्रित) की कोटियों को लेकर जाति-भेद की जड़ों को मज़बूत करता रहा। मानव अधिकार की पात्रता भी इसी से जुड़ गई। कर्म और कर्तव्य के नैसर्गिक आदर्श को भुलाते हुए श्रम का आशय बदलता रहा है। बहुतों की नज़र में काम न करना या कम काम करना या दूसरों (अधीनस्थ लोगों) द्वारा काम कराना इज्जत से जुड़ गया। 'काम करना' हेय दृष्टि से देखा जाने लगा। काम करने वाले के ऊपर जुल्म ढाना एक स्वीकृत रिवाज हो गया। समाज के अंतिम जन को लेकर "अस्पृश्य" और "अंत्यज" की कोटियाँ बना दी गई। तथ्य यह भी है कि अन्यान्य कारणों से सामाजिक वर्ग भेद किसी न किसी रूप में हर समाज में मिलता है पर भारतीय परिस्थितियों में श्रम का सामाजिक ताना-बना ज़्यादा उलझता गया। सामाजिक सुधारों और क़ानूनी पहल से जातिगत भेदभाव से निजात पाने की कोशिश होती रही। इस बीच काम के तरीक़े और प्रकार भी बदले। कामकाज की दुनिया में प्रवेश को विशिष्टता, प्रशिक्षण और निपुणता की दृष्टि से अनेक श्रेणियों में रखने की शुरुआत हुई। आज सफ़ेदपोश और उच्च नौकरियों में बहुत थोड़े से लोग हैं दूसरी ओर असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों का बाहुल्य है। अनुमान है कि आज भी बंधुआ मज़दूर जिनको काम के बदले पारिश्रमिक नहीं मिल रहा, बड़ी भारी संख्या में हैं। वे क़र्ज़ में हैं और इनमें महिलाएँ बड़ी संख्या में हैं।

आज भारत में अनुमानतः कुल श्रमिकों में से लगभग 93 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र से आते हैं। उनके लिए न्यूनतम वेतन की सुरक्षा दे पाना आज भी बड़ी चुनौती है। उदाहरणार्थ कृषि कर्मियों को भी समुचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। ऐसे ही फ़ैक्ट्री या खदान के दमघोंटू ख़राब वातावरण में काम की अस्वास्थ्यकर दशाओं को सुधारना असंभव ही लगता है। सीवर में नीचे पैठ जाने कितने श्रमिक प्रतिवर्ष जान से हाथ धो बैठते हैं। बड़े पैमाने पर होने वाली घटनाएँ भी प्रभावित करती हैं। उदाहरणार्थ कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन हुआ। उसके चलते विस्थापन और नौकरी गँवाने की बड़ी घटनाएँ हुई। इनका सीधा असर गरीब जनता और दिहाड़ी मज़दूरों पर पड़ा।

यह याद रखना होगा कि श्रम उत्पादन की शक्ति है जो ऐसे कार्य को द्योतित करती है जो लोग वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए करते हैं। श्रम में सभी मानवीय गतिविधियाँ (शारीरिक और मानसिक प्रयास) सम्मिलित होती हैं जो किसी उत्पाद या सेवा को समृद्ध कर मूल्यवान बनाती हैं। श्रमिक या मज़दूर समाज के ऐसे विशिष्ट समूह कहे जा सकते हैं जो इसमें संलग्न होते हैं। इस सोच में श्रम भी विक्रय की वस्तु (कमोडिटी) हो गया और श्रम की ख़रीद-फ़रोख़्त हो रही है। श्रम या कार्य-बल (लेबर फ़ोर्स) उत्पादन का एक सक्रिय और अनिवार्य साधन है। श्रम काम का माप होता है और इसमें वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में किया जाने वाला सभी प्रकार का कार्य शामिल होता है।

श्रम उत्पादन में भूमि और पूँजी की तरह ही एक कारक है जो आर्थिक विकास को निर्धारित करता है। यह श्रम कितने शिक्षण और प्रशिक्षण की अपेक्षा करता है इसे ध्यान में रख कर बहुधा कुशल (जिसके लिए उच्च स्तर का प्रशिक्षण अपेक्षितहोता है), अकुशल (प्रशिक्षणरहित), अर्ध कुशल (कुशल और अकुशल के बीच) और पेशेवर (उच्चतम शिक्षा और प्रशिक्षण अपेक्षित) इन चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। श्रमिक को वेतन या किसी दूसरे क़िस्म का मुआवज़ा देकर उसकी श्रम सेवाएँ श्रम के बाज़ार से ख़रीदी जाती हैं। आज भारतीय जनसंख्या का बहुत बड़ा हिस्सा युवा है जो उत्पादकता का सक्षम माध्यम हो सकता है बशर्ते उसे सुशिक्षित और कौशलयुक्त बना कर प्रशिक्षण से निपुण की कोटि में लाया जाय।

विभिन्न प्रकार के उद्योगों और व्यवसायों का मूल आधार श्रम ही है। श्रमिक नौकरियों के लिए और नियोक्ता श्रमिकों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। श्रम-सेवाओं की माँग और आपूर्ति किसी भी समय काम की मात्रा, उपलब्ध श्रमिकों की संख्या, श्रमिकों द्वारा मज़दूरी का स्वीकार्य स्तर को देखते हुए घटती-बढ़ती है। श्रम के लिए अनेक क़ानून बनाए गए हैं जो न्यूनतम मज़दूरी और उनके हितों की रक्षा के लिए हैं। इसकी देखरेख के लिए श्रम मंत्रालय और उसके अधीन व्यवस्थाएँ बनी हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) वैश्विक स्तर पर श्रम से जुड़े नीतिगत प्रश्नों के समाधान के लिए उद्यत रहता है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति के लिए साल 2020 में क़ानून बना था जो श्रमिक, रोज़गार देने वालों और ट्रेड यूनियन के बीच का रिश्ता निर्धारित करता है। काम के घंटे, उपस्थिति, शर्तें, छुट्टी, अधिकार और देनदारी (बीमारी और दुर्घटना आदि) को ध्यान में रख सुरक्षा हेतु व्यवस्थाएँ दी गई हैं।

साल 2022 में जारी न्यूनतम वेतन अधिसूचना के अनुसार अर्धकुशल श्रमिक का वेतन 10,687 रुपये और कुशल श्रमिक का वेतन 11, 584 रुपये तय हुआ था। साल 2023 में दिहाड़ी मज़दूर का पारिश्रमिक 385 रूपये प्रतिदिन निश्चित हुआ था । निर्माण से जुड़े उद्योग श्रम-प्रधान होते हैं जिनमें हाथ और औंजारों का उपयोग मुख्य होता है। सेवा-उद्योग भी होते हैं जो मुख्यतः आतिथ्य और निजी देख-भाल से जुड़े होते हैं। भारत में अब श्रमिकों को न्यूनतम मज़दूरी का अधिकार मिल गया है। अनुमान है कि संगठित और असंगठित श्रमिक की जनसंख्या पचास करोड़ से ज़्यादा हैं। बाल श्रम और बंधुआ मज़दूरी का उन्मूलन अभी भी शेष है।

जीवन में तकनीकी की बढ़ती घुसपैठ के चलते मनुष्य के श्रम के स्वरूप में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। जीवन के विभिन्न कार्यों के तरीक़े बदल रहे हैं। ज़्यादा दिन नहीं हुए कोरोना ने दृश्य ही बदल दिया था जब रिमोट वर्किंग का दौर शुरू हुआ और नए ढाँचे में काम धाम शुरू हुआ । आज बौद्धिक श्रम करने वाले 'बुद्धिजीवी' और शारीरिक श्रम करने वाले को 'श्रमजीवी' कहने का चलन है। दो कोटियाँ बना कर एक अस्तित्व के दोनों पक्षों की परस्परपूरकता को खंडित कर दिया गया। बुद्धिजीवी और श्रमजीवी कह कर मन और शरीर का जो द्वैत शुरू हुआ वह भ्रामक होते हुए व्यावहारिक रूप से लागू है। शारीरिक श्रम की स्थिति में जहां श्रम प्रत्यक्ष होता है उसका मूल्य कम आंका जाता है। दूसरी ओर मानसिक श्रम की क़ीमत की कोई सीमा ही नहीं है।

तकनीक का जाल या उपभोक्ता की मजबूरी?

- डॉ. सत्यवान सौरभ

दो-तीन वर्षों में नया मोबाइल खरीदना—यह केवल एक व्यक्ति का अनुभव नहीं, बल्कि आज के डिजिटल युग की एक व्यापक सच्चाई है। कभी तकनीक को जीवन को सरल, तेज और सुविधाजनक बनाने का माध्यम माना जाता था, लेकिन आज वही तकनीक कई बार उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक और मानसिक दबाव का कारण बनती दिखाई देती है। सवाल यह नहीं है कि तकनीक गलत है, बल्कि यह है कि उसका उपयोग और व्यापारिक ढांचा किस दिशा में जा रहा है।

मोबाइल कंपनियाँ हर वर्ष नए-नए मॉडल बाजार में उतारती हैं, जिनमें बेहतर कैमरा, तेज प्रोसेसर और आकर्षक डिज़ाइन का वादा किया जाता है। इसके साथ ही पुराने मोबाइल फोन के लिए सॉफ़्टवेयर अपडेट भी जारी किए जाते हैं। सिद्धांत रूप में ये अपडेट सुरक्षा और प्रदर्शन सुधारने के लिए होते हैं, लेकिन व्यवहार में कई उपयोगकर्ताओं को यह अनुभव होता है कि अपडेट के बाद उनका फोन धीमा हो जाता है, बैटरी जल्दी खत्म होती है और ऐप्स पहले की तरह सुचारू रूप से नहीं चलते। इस स्थिति ने "planned obsolescence" यानी योजनाबद्ध अप्रचलन की बहस को जन्म दिया है—एक ऐसी रणनीति, जिसमें उत्पाद को इस तरह डिज़ाइन किया जाता है कि वह कुछ समय बाद अप्रभावी हो जाए, ताकि उपभोक्ता नया उत्पाद खरीदने को मजबूर हो। यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि हर बार कंपनियाँ जानबूझकर ऐसा करती हैं। तकनीकी रूप से, हर नया सॉफ़्टवेयर अधिक उन्नत होता है और उसे अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। पुराने हार्डवेयर पर उसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन जब यही प्रक्रिया लगातार उपभोक्ता के अनुभव को खराब करती है, तो यह सवाल उठना लाज़मी है कि क्या कंपनियाँ अपने उत्पादों की दीर्घकालिक उपयोगिता को लेकर पर्याप्त ईमानदार हैं। उपभोक्ता के पास विकल्प सीमित होते जा रहे हैं—या तो वह धीमे होते फोन के साथ समझौता करे या फिर नया फोन खरीदे।

टेलीकॉम क्षेत्र में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है। पहले जहाँ रिचार्ज प्लान 30 दिनों के होते थे, वहीं अब अधिकांश कंपनियाँ 28 दिनों का चक्र अपनाने लगी हैं। पहली नजर में यह अंतर छोटा लगता है, लेकिन साल भर में यह अंतर एक अतिरिक्त रिचार्ज में बदल जाता है। यानी उपभोक्ता को 12 के बजाय 13 बार भुगतान करना पड़ता है। यह एक सूक्ष्म लेकिन प्रभावी व्यावसायिक रणनीति है, जो कंपनियों के मुनाफे को बढ़ाती है, जबकि उपभोक्ता की जेब पर अतिरिक्त भार डालती है। यह व्यवस्था खासकर उन लोगों के लिए अधिक कठिन है, जिनकी आय सीमित है और जिनके लिए हर अतिरिक्त खर्च मायने रखता है। डिजिटल सेवाओं के बढ़ते विस्तार के साथ ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) का उपयोग भी अत्यधिक बढ़ गया है। बैंकिंग, ऑनलाइन खरीदारी, सोशल मीडिया, यहाँ तक कि कई सरकारी सेवाओं के लिए भी ओटीपी अनिवार्य हो गया है। सुरक्षा की दृष्टि से यह एक आवश्यक कदम है, क्योंकि साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष यह है कि इससे उपयोगकर्ता अनुभव जटिल हो जाता है। हर छोटे काम के लिए ओटीपी की आवश्यकता प्रक्रिया को धीमा और कभी-कभी निराशाजनक बना देती है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास स्थिर नेटवर्क या आधुनिक उपकरण नहीं हैं, उनके लिए यह एक अतिरिक्त बाधा बन जाती है।

सबसे गंभीर मुद्दा डेटा की अनिवार्यता का है। आज के समय में इंटरनेट केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है; यह शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं तक पहुँच का मुख्य माध्यम बन चुका है। ऑनलाइन कक्षाएँ, डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस सेवाएँ—ये सभी इंटरनेट पर निर्भर हैं। ऐसे में डेटा खरीदना अब एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। लेकिन जब डेटा की कीमतें लगातार बढ़ती हैं या योजनाएँ जटिल होती जाती हैं, तो इसका सीधा प्रभाव समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। डिजिटल विभाजन (digital divide) और गहरा हो जाता है, जहाँ एक वर्ग तेजी से आगे बढ़ता है, जबकि दूसरा वर्ग पीछे छूट जाता है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या इस स्थिति पर नियंत्रण संभव है? इसका उत्तर सरल नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, नियामक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनियाँ उपभोक्ताओं के साथ पारदर्शिता बनाए रखें और ऐसी नीतियाँ न अपनाएँ जो अप्रत्यक्ष रूप से शोषण का कारण बनें। उदाहरण के लिए, रिचार्ज योजनाओं की अवधि और संरचना को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं, ताकि उपभोक्ता को भ्रमित न किया जाए।

दूसरा, उपभोक्ता संरक्षण कानूनों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है। यदि कोई कंपनी जानबूझकर अपने उत्पाद की कार्यक्षमता को कम करती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उपभोक्ताओं को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे अपने उपकरणों की मरम्मत आसानी से करा सकें। "Right to Repair" जैसे विचार इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं, जो उपभोक्ताओं को अपने उत्पादों पर अधिक नियंत्रण देते हैं और उन्हें बार-बार नया उत्पाद खरीदने की मजबूरी से बचाते हैं। तीसरा, उपभोक्ता जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कई बार हम स्वयं भी बिना सोचे-समझे नए उत्पादों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। विज्ञापन, सोशल मीडिया और साथियों का प्रभाव हमें यह महसूस कराता है कि नया फोन या नई योजना आवश्यक है, जबकि वास्तविकता में ऐसा नहीं होता। यदि उपभोक्ता अपने निर्णय सोच-समझकर लें, अनावश्यक अपडेट्स से बचें और अपने उपकरणों का उपयोग अधिक समय तक करें, तो इस चक्र को कुछ हद तक तोड़ा जा सकता है। इसके अलावा, सरकार और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल सेवाएँ सभी के लिए सुलभ और किफायती हों। सार्वजनिक वाई-फाई, सस्ती डेटा योजनाएँ और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जब तक हर व्यक्ति को समान अवसर नहीं मिलेंगे, तब तक तकनीक का लाभ पूर्ण रूप से समाज तक नहीं पहुँच पाएगा। अंततः, तकनीक स्वयं में न तो अच्छी है और न ही बुरी—यह इस बात पर निर्भर करती है कि उसका उपयोग कैसे किया जाता है। यदि तकनीक का उद्देश्य केवल मुनाफा कमाना बन जाए, तो वह उपभोक्ताओं के लिए बोझ बन सकती है। लेकिन यदि उसे मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपयोग किया जाए, तो वह एक शक्तिशाली साधन बन सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक और व्यापार के बीच संतुलन स्थापित करें। कंपनियाँ अपनी जिम्मेदारी समझें, नियामक संस्थाएँ सक्रिय रहें और उपभोक्ता जागरूक बनें। तभी हम एक ऐसे डिजिटल भविष्य की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ तकनीक वास्तव में मानव जीवन को सरल और समृद्ध बनाए, न कि उसे आर्थिक दबाव और निर्भरता के जाल में फँसा दे।

कुछ ऐसी चीजें जिन्हें घर में रखने से कभी नहीं होती पैसों की कमी

अगर आप धन संबंधी परेशानियों को लेकर चिंतित रहते हैं तो इसका कारण आपके घर में मौजूद वास्तुदोष हो सकता है। इस दोष से मुक्ति और धन-सुख के लिए वास्तुशास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से धन संबंधी सभी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाती हैं और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहता है। धातु के बने कछुए और मछली को घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुड़ी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं। घर के जिस हिस्से में परिवार के सदस्य सबसे ज्यादा समय विताते हैं, वहां पर चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड रखें। यह घर के सदस्यों की आय में वृद्धि करता है। घर की उत्तर दिशा में पानी से भरी सुराही रखनी चाहिए। इससे घर में धन की कमी नहीं होती। सुराही न हो तो मिट्टी का घड़ा रखा जा सकता है। ये कभी भी खाली न रहे, पानी खत्म हो जाने पर इसे फिर से भर दें। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में भगवान हनुमान की पंचस्वरूप वाली मूर्ति या तस्वीर लगाएं। नियमित रूप से उनकी पूजा करें। घर के मेन गेट पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर या स्वास्तिक का चिन्ह या फोटो लगाने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। घर में वास्तु भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखने से घर के सभी वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं और घर में कभी पैसों की कमी नहीं आती।

आज का इतिहास

1660 - स्वीडन, पोलैंड और ऑस्ट्रिया ने ओलिवा शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1764 - बंगाल के नवाब मीर कासिम को अंग्रेजों ने हराया।
1765 - फिलाडेल्फिया में पहला अमेरिकी मेडिकल कॉलेज खुला।
1845 - चीन के कैंटन में थियेटर में आग लगने से 1600 लोगों की मौत।
1896 - भारत के राष्ट्रवादी, राजनीतिज्ञ, कूटनीतिज्ञ और भारत के पूर्व रक्षा मंत्री वी. के. कृष्ण मेनन का जन्म
1913 - पहली भारतीय फीचर फिल्म राजा हरिश्चन्द्र प्रदर्शित हुई।
1919 - अमानुल्ला खान द्वारा ब्रिटिश भारत पर आक्रमण।
1961 - कमांडर ऐलन शेपर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी यात्री बने।
1965 - कंबोडिया ने अमेरिका के साथ राजनयिक संबंध समाप्त किए।
1989 - देश के पहले 50 किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का हरियाणा में शुभारंभ।
1993 - संयुक्त राष्ट्र ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा की।
1998 - 'यूरो' को यूरोपीय मुद्रा के रूप में स्वीकार करने का यूरोपीय नेताओं का ऐतिहासिक फैसला।
2002 - अमेरिकी मीडिया ने परवेज मुशर्रफ के जनमत संग्रह को 'शर्मनाक जनमत संग्रह' बताया।
2003 - ऑस्ट्रेलिया के स्टीव वॉ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने।
2004 - वेस्टइंडीज ने छठे एक दिवसीय मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से परास्त किया।
2006 - पाकिस्तान और ईरान ने 3 देशों की गैस पाइप लाइन परियोजना से भारत को अलग करने के उद्देश्य से द्विपक्षीय गैस पाइप लाइन करार पर दस्तखत किए। शिक्षाविद कमलेश पटेल को ब्रिटेन के हाउस आफ़ लार्ड्स में ग़ैर दलीय पीयर नियुक्त किया गया।
2008 - टाटा स्टील लिमिटेड को ब्रिटेन में कोयला खनन करने का पहला लाइसेंस प्राप्त हुआ।
2008 - पाकिस्तानी जेल में सजा काट रहे भारतीय कैदी सरबजीत सिंह की फॉसी की सज़ा अनिश्चित समय तक टाली गई। 2008 - नेपाली प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला संविधान सभा के लिए चुने गये।

आकाश की अनन्त उड़ान में विश्व का भारत पर भरोसा

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जब भी मानव सभ्यता ने आसमान की ओर देखा है, उसने सितारों के साथ अपने जीवन के लिए संभावनाओं के अनंत विस्तार को देखा है। आज उसी विस्तार में भारत अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है। कभी सीमित संसाधनों के साथ शुरुआत करने वाला भारत वर्तमान में वह देश है जोकि वैश्विक अंतरिक्ष मानचित्र पर भरोसे का पर्याय बन चुका है। यह भरोसा सफल प्रक्षेपणों, वैज्ञानिक उपलब्धियों का परिणाम तो है ही, साथ ही एक व्यापक दृष्टि, नीति-सुधारों, निजी भागीदारी और युवा प्रतिभाओं के संगम से निर्मित हुआ है।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह का यह वक्तव्य इस दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को और स्पष्ट करता है। उन्होंने बताया है कि कैसे भारत में निजी क्षेत्र का अंतरिक्ष निवेश पिछले पाँच वर्षों में 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। यह आंकड़ा वास्तव में कोई साधारण या सामान्य नहीं है, जिसमे देश की आर्थिक वृद्धि के तमाम अवसर समाहित हैं।

अब भारत सरकार ने अंतरिक्ष से जुड़े विषयों को वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखते हुए इसे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। पहले चरण में सात अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं की स्थापना की योजना बनाई गई है, जहां छात्र उपग्रह प्रणाली, रॉकेटरी और मिशन डिजाइन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। यह

पहल भारत के अंतरिक्ष भविष्य की नींव को मजबूत करेगी। जब छात्र अपने कॉलेज परिसर में ही उपग्रह डिजाइन करेंगे या मिशन प्लानिंग सीखेंगे, तब वे भविष्य के मिशनों का निर्माण भी करेंगे।

इस संदर्भ में IN-SPACe के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका ने भारत के अंतरिक्ष सुधारों की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया भी है कि कैसे निजी क्षेत्र अब मूल्य श्रृंखला के हर हिस्से में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और भारत का निजी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र पिछले कुछ वर्षों में आश्चर्यजनक गति से विकसित हुआ है। 2019 में जहां अंतरिक्ष स्टार्टअप्स की संख्या एकल अंक में थी, वहीं 2026 की शुरुआत तक यह संख्या 400 से अधिक हो चुकी है।

ये स्टार्टअप्स प्रक्षेपण यान, उपग्रह निर्माण, पेलोड डेवलपमेंट, ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय हैं। इसके अलावा, इन-ऑर्बिट सेवाएं जैसे सैटेलाइट सर्विसिंग और स्पेस डेटा एनालिटिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह बदलाव आज इस बात का प्रतीक भी है कि केंद्र की मोदी सरकार के प्रोत्साहन स्वरूप पहले अंतरिक्ष कार्यक्रम सिर्फ सरकारी संस्थानों तक सीमित रहते थे, जबकि आज के समय में यह उद्यमिता और नवाचार का नया क्षेत्र बन चुका है।

सरकार ने इस तेजी को बनाए रखने के लिए कई लक्षित पहलें शुरू की हैं, जिसमें कि 1,000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड (एसआईडीबीआई के सहयोग से), 500 करोड़ रुपये का टेक्नोलॉजी एडॉप्शन फंड, सीड फंड योजना के तहत 1 करोड़ रुपये तक का अनुदान को प्रमुखता से बताया जा सकता है। इन योजनाओं का उद्देश्य वित्तीय सहायता के साथ विचारों को वास्तविक उत्पादों में बदलना है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी अच्छा विचार संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए।

वस्तुतः इससे जुड़ा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि अंतरिक्ष क्षेत्र में सफलता अकेली तकनीक आधारित नहीं होती है, इसके लिए उच्च स्तर का मानव प्रशिक्षण अति आवश्यक है। अच्छा यह है कि पिछले कुछ सालों में इस दिशा में भारत ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गहारायी से विचार करें तो अब तक 17 विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 900 प्रतिभागियों को उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण प्रणाली और अंतरिक्ष साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रमाणित किया गया है। यह पहल आज स्पष्ट कर रही है कि भारत अपने मिशन लॉन्च तो कर ही रहा है, साथ में एक संपूर्ण अंतरिक्ष इकोसिस्टम तैयार कर रहा है।

यही कारण है जो भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब वैश्विक सहयोग का केंद्र बन चुका है। वर्तमान में भारत की साझेदारी 45 से अधिक देशों तक फैल चुकी है। जैसा कि हमने देखा भी कि हाल के वर्षों में सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के साथ समझौते, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय कंपनियों की सक्रिय भागीदारी और घरेलू स्टार्टअप्स को वैश्विक बाजारों से जोड़ने की पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत की अंतरिक्ष सफलता की कहानी में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की भूमिका केंद्रीय रही है। चंद्रयान, मंगलयान और सैकड़ों सफल उपग्रह प्रक्षेपणों ने भारत को एक विश्वसनीय अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। डॉ. विक्रम साराभाई का यह दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है कि ₹हम अंतरिक्ष तकनीक को सिर्फ प्रतिष्ठा के लिए नहीं पाना चाहते हैं, भारत का उद्देश्य पूरी तरह से स्पष्ट और सार्वजनिक है कि समाज के विकास के लिए हमें अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग करते रहना हैं।₹ आज हम देखते भी हैं कि भारत के वैज्ञानिकों एवं केंद्र सरकार ने इसी सोच के साथ अंतरिक्ष को शिक्षा, कृषि, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन और संचार जैसे क्षेत्रों में उपयोग किया है।

इसके साथ एक बात यह भी दिखाई देती है कि वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 500 बिलियन डॉलर से अधिक है, भारत का लक्ष्य इसमें अपनी हिस्सेदारी को तेजी से बढ़ाना है ।फिलहाल देखने में आ रहा है कि निजी निवेश और स्टार्टअप्स इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यही कारण है जोकि अंतरिक्ष तकनीक अब राष्ट्रीय सुरक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी और डेटा इकोनॉमी का भी आधार बन चुकी हैं। ऐसे में कहना यही है कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा विश्वास, दृष्टि और सामूहिक प्रयास का ही आज सुखद परिणाम के रूप में हमारे सामने है। निश्चित ही जब विश्व भारत की ओर देखता है, तब अच्छा लगता है कि एक भरोसेमंद साझेदार, एक नवाचारी शक्ति और एक प्रेरणास्रोत के रूप में भारत हमें दिखाई देता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

गृह मंत्री अमित शाह ने लद्दाख में सतत विकास पर जोर दिया

लेह/जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लद्दाख में सतत विकास के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया है, जिसमें पौधारोपण और जल सुरक्षा को क्षेत्र की समग्र प्रगति का प्रमुख स्तंभ बताया है। यह जानकारी लद्दाख के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने शनिवार को दी।

उपराज्यपाल ने उन्हें हिम सरोवर परियोजना के तहत विभिन्न गांवों में 50 जलाशय बनाने के लिए जारी कार्यों और हाल ही में चलाए गए पौधारोपण अभियान के बारे में जानकारी दी। सक्सेना ने 'एक्स' पर गृह मंत्री की एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर लेह के अपने दौरे के आध्यात्मिक महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने सतत विकास पर केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। गृहमंत्री ने बड़े पैमाने पर पौधारोपण और जल सुरक्षा को लद्दाख के समग्र विकास का प्रमुख स्तंभ बताया। लद्दाख के वरिष्ठ नेता थुपस्टन चेवांग ने पेयजल और सिंचाई के लिए श्योक नदी के जल का उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया। उपराज्यपाल ने बताया कि पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने कहा कि लद्दाख में ग्लेशियर पिघलने से प्राप्त जल का केवल लगभग एक प्रतिशत ही वर्तमान में उपयोग किया जा रहा है, जबकि शेष बर्बाद हो जाता है। उन्होंने जल संरक्षण के लिए नवीन तरीकों की आवश्यकता पर बल दिया। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने लद्दाख में जलवायु परिवर्तन के अनुकूल विकास सुनिश्चित करने के लिए पौधारोपण और जल संरक्षण के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लिये एक व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। उपराज्यपाल ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले 40 दिनों में पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए लेह और कारगिल में 4500 से अधिक देशी प्रजातियों के पेड़ लगाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि लेह में प्रायोगिक तौर पर बांस, अमलतास, गुलमोहर, जैकारांडा, बोगनविलिया, बरगद, पीपल और इमली जैसी प्रजातियों के लगभग 500 पौधे भी लगाए गए हैं।

शाह के निर्देशानुसार, पौधारोपण और जल संरक्षण प्रयासों को पूरे क्षेत्र में और तेज किया जाएगा और अधिकारियों का लक्ष्य अगले वर्ष तक कम से कम 100 बड़े जलाशय बनाना है। अधिकारियों ने बताया कि दीर्घकालिक लक्ष्य लद्दाख में वन क्षेत्र को वर्तमान में एक प्रतिशत से भी कम से बढ़ाकर अगले दो वर्षों में कम से कम पांच प्रतिशत करना है।

मई की संभावित गर्मी से घबराने की जरूरत नहीं : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने मई महीने में संभावित गर्मी और लू को लेकर जनता से घबराने की बजाय सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है।

मौसम पूर्वानुमान को सही ढंग से समझकर और दिन-प्रतिदिन की सरल सावधानियों से प्रभाव को कम किया जा सकता है। डॉ. सिंह ने शनिवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान और हीटवेव की स्थिति बन सकती है, लेकिन यह पूरे देश में समान रूप से प्रभावी नहीं होगी। समय पर तैयारी और आईएमडी द्वारा समय-समय पर जारी सलाहों का पालन करके इसे प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ. सिंह ने लोगों को सलाह दी कि वे पर्याप्त पानी पिएं, दोपहर की धूप से बचें और बच्चों, बुजुर्गों एवं बाहरी काम करने वालों का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग के नियमित अपडेट पर नजर रखना जरूरी है। कृषि क्षेत्र को लेकर उन्होंने कहा कि उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में रबी फसलों की कटाई के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं, हालांकि कुछ इलाकों में गर्मी का असर धान, मक्का और दलहन जैसी फसलों पर पड़ सकता है। किसानों को सुबह-शाम खेतों में काम करने और हल्की सिंचाई करने की सलाह दी गई है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि पानी, बिजली और अन्य जरूरी सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है, ताकि गर्मी से निपटने में लोगों को कोई दिक्कत न हो। मौसम विभाग के अनुसार 8 से 14 मई और 22 से 28 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पश्चिम भारत के साथ पूर्वी तटीय इलाकों में गर्मी बढ़ सकती है। वहीं, 1 से 7 मई और 15 से 21 मई के बीच कई हिस्सों में बारिश और बादलों के कारण तापमान सामान्य या उससे कम रहने की संभावना है। हिमालयी क्षेत्रों के आसपास, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु के तटीय भागों, गुजरात और महाराष्ट्र में सामान्य से 2–4 दिन अधिक हीटवेव रहने का अनुमान है। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में रात का तापमान भी अधिक रह सकता है, जिससे उमस बढ़ेगी।

कांग्रेस की कई महिला नेताओं ने भाजपा का दामन थामा

देहरादून। उत्तराखंड में महिला आरक्षण को लेकर जारी राजनीतिक बहस के बीच कांग्रेस की कई महिला नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। भाजपा ने इसे महिला सशक्तिकरण के समर्थन में उठाया गया कदम बताया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष के रुख से व्यापक असंतोष है। उन्होंने दावा किया कि 'आधी आबादी' अब अपने अधिकारों के खिलाफ खड़े दलों को लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। भाजपा में शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से लक्ष्मी राणा (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, रुद्रप्रयाग), मीना शर्मा (पूर्व चेयरमैन, रुद्रपुर नगर पालिका व महिला कांग्रेस वरिष्ठ उपाध्यक्ष), दर्शन लाल आर्य (पूर्व विधायक प्रत्याशी, घनसाली) के अलावा पूनम गुप्ता, मंजू और श्वेता शर्मा सहित अन्य लोग शामिल रहे। भाजपा में शामिल हुईं मीना शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में महिलाओं के साथ अन्याय होता है और उनकी आवाज को दबाया जाता है। उन्होंने कहा कि इसी कारण उन्होंने पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया।

जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू, यात्रियों ने बताया ऐतिहासिक क्षण

जम्मू। जम्मू से श्रीनगर तक विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शनिवार से शुरू हो गया है। यात्रियों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को आर्थिक रूप से भी लाभ होगा।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से विस्तारित श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना किया था, जिसका आज विधिवत संचालन शुरू हो गया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह संचालन शुरू हुआ है। यात्रियों ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे बेहतर कनेक्टिविटी, यात्रा के समय में कमी और क्षेत्र के आर्थिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। यात्रियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के उद्घाटन के बाद यह ट्रेन आज से नियमित रूप से चलने लगी है और हम उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

इस ट्रेन से कई चीजें बदलेंगी और जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी इससे आर्थिक रूप से लाभ होगा। जम्मू तवी और श्रीनगर के बीच चलने वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस न केवल यात्रियों का समय बचा रही है, बल्कि पहाड़ों के बीच एक प्रीमियम और आरामदायक अनुभव दे रही है। जम्मू तवी से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ने लगभग 270 किलोमीटर की दूरी तय की। जम्मू तवी से श्रीनगर पहुंचने में वंदे भारत एक्सप्रेस को 04 घंटे 50 मिनट का समय लगा। पहले इस सफर में सड़क मार्ग से 7 से 8 घंटे लग जाते थे लेकिन अब वंदे भारत के जरिए यह दूरी काफी कम समय में और बिना किसी थकान के पूरी की जा सकेगी। इस ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन पर भी रुकेगी।

इससे उन श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत मिलेगी जो माता के दर्शन के बाद कश्मीर की सैर पर जाना चाहते हैं। अब कटरा और श्रीनगर के बीच कनेक्टिविटी और भी बेहतर हो गई है। जम्मू तवी और श्रीनगर के बीच दिन में 2 जोड़ी ट्रेनें चलेंगी। ट्रेन नंबर 26401/26402 मंगलवार को छोड़कर सप्ताह के सभी दिन चलेगी, जबकि ट्रेन नंबर 26404/26403 बुधवार को छोड़कर सप्ताह के बाकी सभी दिन चलेगी।

पहली ट्रेन जम्मू तवी से सुबह 6.20 बजे चलकर 11.10 बजे श्रीनगर पहुंची और वापसी में श्रीनगर से दोपहर 2.00 बजे चलकर शाम 6.50 बजे जम्मू पहुंची। दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस श्रीनगर से सुबह 8.00 बजे चलकर 12.40 बजे जम्मू पहुंचीं और वापसी में जम्मू से दोपहर 1.20 बजे चलकर शाम 6.00 बजे श्रीनगर पहुंची। वंदे भारत एक्सप्रेस में कुल 20 कोच हैं। इन कोच में दो टाइप, एसी चेयर कार और एग्जीक्यूटिव चेयर कार शामिल है। एसी चेयर कार का किराया 855 रुपये और एग्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया 1585 रुपये है।

गीतकार प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के अध्यक्ष

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रसिद्ध गीतकार, लेखक और संचार विशेषज्ञ प्रसून जोशी को प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से शनिवार को एक जारी बयान में यह जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि प्रसार भारती के पूर्व अध्यक्ष नवनीत सहगल ने गत चार दिसंबर को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। तब से यह पद खाली था।

रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नियुक्ति पर प्रसून जोशी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रसून जोशी को साहित्य, विज्ञापन और सिनेमा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। प्रसून एक विलक्षण रचनात्मक व्यक्तित्व हैं, जिन्हें विज्ञापन, साहित्य, कला और सिनेमा जगत में विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त है, फिर भी उनका हृदय भारत के लिए धड़कता है। उनके शब्दों में हमारी मिट्टी की सुगंध समाई है और उनकी दृष्टि हमारी संस्कृति के शाश्वत सार को प्रतिबिंबित करती है। उनके नेतृत्व में प्रसार भारती को नई ऊर्जा, उद्देश्य और रचनात्मक दृष्टि मिलेगी।

इस नियुक्ति से पहले, प्रसून जोशी अगस्त 2017 से केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष रहे हैं, जहां उन्होंने फिल्म उद्योग के सभी हितधारकों के साथ जुड़कर फिल्म प्रमाणन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने में योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने की पटना मेट्रो, सैटेलाइट टाउनशिप और जेपी गंगा पथ परियोजनाओं की समीक्षा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में पटना मेट्रो रेल परियोजना, ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप योजना तथा जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान (फेज-1) परियोजना की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पटना मेट्रो परियोजना और राज्य में प्रस्तावित नए टाउनशिप की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस अवसर पर स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मेट्रो निर्माण में आ रही सभी बाधाओं को शीघ्र दूर कर कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि आम जनता को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में शहरीकरण को बढ़ावा देने के लिए 11 सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की योजना पर तेजी से काम किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी परियोजनाओं को चरणबद्ध ढंग से तय समय-सीमा के अनुसार पूरा किया जाए। बैठक में यह भी बताया गया कि पर्सनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (पीटीआर) एक उपयोगी परिवहन प्रणाली साबित होगी, जिससे एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों को सुगम और निर्बाध कनेक्टिविटी मिलेगी।

इस दौरान पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान (फेज-1) और पटना रिवर फ्रंट विकास परियोजना पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि यह परियोजना दीघा से सभ्यता द्वार (गांधी मैदान) तक लगभग 6 किलोमीटर लंबी होगी, जिसे 25 सितंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने इस परियोजना को पर्यावरण के अनुकूल और योजनाबद्ध तरीके से समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पार्किंग, खेल मैदान और अन्य सुविधाओं का इस तरह विकास किया जाए कि आम लोग इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ पर पहुंचकर परियोजना के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण भी किया।

उन्होंने दीघा, एलसीटी घाट और बांस घाट पर रुककर चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा पथ का सौंदर्यीकरण और विकास कार्य इस तरह किए जाएं कि यह सुरक्षित होने के साथ-साथ आम लोगों के लिए आकर्षण और आनंद का केंद्र भी बन सके।

एलपीजी सिलेंडरों की सौ फीसदी सप्लाई की जा रही सुनिश्चित : सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स पर सिलेंडर खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। घरेलू परिवारों को एलपीजी सिलेंडरों की 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहा है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कल ऑनलाइन घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की बुकिंग बढ़कर 99 फीसदी हो गई, जबकि ओटीपी आधारित डिलीवरी 94 फीसदी से ज्यादा हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि मार्च, 2026 से अब तक लगभग 5.96 लाख पीएनजी गैस कनेक्शन दिए गए हैं और 2.68 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, इसके साथ ही लगभग 6.66 लाख ग्राहकों ने नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण कराया है। मंत्रालय ने कहा कि 9 अप्रैल, 2026 से मुंबई, कोच्चि, विजाग, चेन्नई, मथुरा और गुजरात की रिफाइनरियों ने रसायन, फार्मा और पेंट उद्योग को 10,000 मीट्रिक टन से अधिक प्रोपलीन और 1200 मीट्रिक टन से अधिक ब्यूटाइल एक्रिलेट बेचा है। वहीं, अबतक 2,922 से अधिक भारतीय नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी हुई हैं, इनमें पिछले 24 घंटों में खाड़ी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से सुरक्षित स्वदेश वापसी करने वाले 30 नाविक भी शामिल हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति को ध्यान में रखते हुए पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी करने से बचें क्योंकि सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मंत्रालय ने कहा कि अफवाहों से सावधान रहें और सही जानकारी के लिए आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें। एलपीजी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और वितरकों के पास जाने से बचें। नागरिकों को वैकल्पिक ईंधन जैसे कि पीएनजी और इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकटॉप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद यह सुनिश्चित किया है कि घरेलू एलपीजी, घरेलू पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) की 100 फीसदी आपूर्ति की जा रही है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी के लिए, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा फार्मा, इस्पात, ऑटोमोबाइल, बीज, कृषि आदि क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों को 5 किलोग्राम एफटीएल की आपूर्ति 2 और 3 मार्च 2026 को औसत दैनिक आपूर्ति के आधार पर दोगुनी कर दी गई है।

पश्चिम बंगाल में मतगणना के लिए 165 काउंटिंग ऑब्जर्वर और 77 पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले निर्वाचन आयोग ने व्यवस्था को और सख्त करते हुए अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। आयोग ने कुल 242 पर्यवेक्षकों को तैनात किया है, जिनमें 165 अतिरिक्त काउंटिंग ऑब्जर्वर और 77 पुलिस पर्यवेक्षक शामिल हैं। दो चरणों में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

निर्वाचन आयोग के सूत्रों के अनुसार, अतिरिक्त काउंटिंग ऑब्जर्वरों को उन विधानसभा क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा जहां एक से अधिक मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। इनका काम पहले से नियुक्त पर्यवेक्षकों की सहायता करना और मतगणना प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित कराना होगा। इसके अलावा प्रत्येक मतगणना केंद्र के लिए एक-एक पुलिस पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया गया है। इनका दायित्व मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की निगरानी करना होगा।

हालांकि, आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि पुलिस पर्यवेक्षक किसी भी परिस्थिति में मतगणना कक्ष के अंदर प्रवेश नहीं कर सकेंगे। उन्हें अन्य चुनाव अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर काम करना होगा। आयोग ने यह भी याद दिलाया है कि काउंटिंग ऑब्जर्वर और रिटर्निंग ऑफिसर को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति को मोबाइल फोन के साथ मतगणना केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मतगणना के दौरान परिणाम फॉर्म-17सी-दो में दर्ज किए जाएंगे, जिसे काउंटिंग सुपरवाइजर तैयार करेंगे। काउंटिंग एजेंट वहां मौजूद रहेंगे और उस पर हस्ताक्षर करेंगे। उल्लेखनीय है कि, मतगणना को लेकर आयोग की सक्रियता पहले से ही चर्चा में है। हाल के दिनों में आयोग ने राज्य के कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को उनके पदों से हटाकर नए अधिकारियों की नियुक्ति भी की है।

इस मुद्दे पर राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर असंतोष भी जताया है।

मतगणना से पहले चोपड़ा में बम मिलने से दहशत

उत्तर दिनाजपुर। मतगणना से पहले इस्लामपुर थाना क्षेत्र के दारिभिट इलाके में ताजा बम बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार स्थानीय चाय बागान के भीतर से पुलिस ने तीन शक्तिशाली सॉकेट बम बरामद किए। आबादी वाले इलाके के इतने करीब बम मिलने से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। दारिभिट इलाके में एक चाय बागान के पास कच्ची सड़क पर एक संदिग्ध रंगीन बैग पड़ा देखा गया। संदेह होने पर जब स्थानीय लोग पास गए और बैग खोला, तो उसके अंदर तीन काले रंग के शक्तिशाली सॉकेट बम मिले। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

उप्र में जनगणना कार्य में लगभग 5.25 लाख अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगाई गयी ड्यूटी

उत्तर प्रदेश में दो चरणों में होगी जनगणना : शीतल वर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने बताया कि जनगणना 2027 का कार्य उत्तर प्रदेश राज्य में दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 22 मई से 20 जून के मध्य किया जाएगा। द्वितीय चरण- जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में संपादित होगा। इस कार्य में लगभग 5.25 लाख अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

शीतल वर्मा ने शनिवार को यहां कपूरथला स्थित उप्र राजकीय अभिलेखागार कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि जनगणना में भारत में निवासरत सभी व्यक्तियों की (नागरिक एवं गैर-नागरिक) की गणना की जाएगी। पहली बार देश में जनगणना का कार्य डिजिटली कराया जाएगा। इसमें स्व-गणना भी एक विकल्प रखा गया है। प्रथम चरण हेतु स्व-गणना कार्य के लिए राज्य में मकान सूचीकरण कार्य प्रारम्भ होने के 15 दिन पूर्व की अवधि निर्धारित की गई है, जो कि 07 मई से 21 मई, 2026 तक होगी। स्व-गणना विकल्प के तहत व्यक्ति अपनी जानकारी ऑनलाइन (se.census.gov.in) स्वयं भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-गणना प्रक्रिया में

जानकारी भरने के पश्चात SE ID जेनरेट होगा। 22 मई से 20 जून के दौरान प्रगणक के घर-घर आने पर उनके SE ID साझा करना होगा। प्रगणक द्वारा पुष्टि के उपरांत ही मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य पूर्ण होगा। स्व-गणना ऐच्छिक है, अनिवार्य नहीं। प्रगणक, 22 मई से 20 जून, 2026 तक की अवधि में प्रत्येक घर जाकर जानकारी अवश्य दर्ज करेंगे। प्रगणक 22 मई से 20 जून, 2026 के मध्य घर-घर जाकर प्रत्येक मकान एवं उसमें निवासरत परिवारों से 33 प्रकार की जानकारी जुटाएंगे। यह जानकारी मकानों कि स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाएं तथा परिसंपत्तियों से संबंधित है। गणना में लगे कर्मचारी इस जानकारी को मोबाइल एप पर सीधे अपलोड करेंगे। शीतल वर्मा ने बताया कि राज्य में इस कार्य हेतु लगभग 5.25 लाख अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसमें 18 मण्डल जनगणना अधिकारी (मंडलायुक्त), 75 प्रमुख जनगणना अधिकारी (जिलाधिकारी), 17 अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी (नगर आयुक्त), 600 जिला स्तर के अधिकारी, 1195 चार्ज अधिकारी (तहसीलदार/अधिशासी अधिकारी इत्यादि), 285 मास्टर ट्रेनर्स, 6939 फील्ड ट्रेनर्स तथा अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त लगभग पांच लाख प्रगणक/ पर्यवेक्षक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में जनगणना 2027 का कार्य 75 जिले, 783 नगरीय निकाय एवं 350 तहसीलों के अंतर्गत 1.04 लाख ग्रामों में संपादित कराये जाएंगे। जनगणना कार्य संपादित करने के लिए राज्य में 350 ग्रामीण चार्ज एवं 845 नगरीय चार्ज हैं। इन चार्जों के अंतर्गत लगभग तीन लाख 90 हजार मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। इन मकान सूचीकरण ब्लॉकों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। जनगणना 2027 कार्य के लिए जन सामान्य हेतु जनगणना से संबन्धित जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1855 शुरू किया गया है।

मीडिया की भूमिका

शीतल वर्मा ने कहा कि जनगणना-2027 के सफल क्रियान्वयन में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मीडिया के माध्यम से सही एवं प्रमाणिक जानकारी का प्रसार, अफवाहों एवं भ्रामक समाचारों का खंडन, जनसहभागिता को प्रोत्साहन, स्व-गणना के प्रति जागरूकता सुनिश्चित की जा सकती है। मीडिया से अपेक्षा है कि वह इस राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें, सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं, प्रगणकों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार करें, स्व-गणना का अधिकाधिक उपयोग करें।

ड्रग माफिया की 6 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क

बाराबंकी। शनिवार को बाराबंकी पुलिस व प्रशासन ने कुख्यात ड्रग माफिया मिस्बाहुर्रहमान उर्फ अज्जन की 6 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की अचल सम्पत्ति कुर्क कर दी है। यह कार्रवाई न्याय निर्णायक प्राधिकारी नई दिल्ली के आदेश पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 68F(2) के तहत की गई। आरोपी वर्तमान में जिला कारागार बाराबंकी में निरुद्ध है। जैदपुर थाने के मुख्य आरोपी व हिस्ट्रीशीटर अज्जन उर्फ मिस्बाहुर्रहमान निवासी ग्राम टिकरा मुर्तजा, थाना जैदपुर पिछले 25 वर्षों से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त है। उस पर बाराबंकी व लखनऊ में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन के आदेश से अन्तर्जनपदीय गैंग आईआर-09 में सूचीबद्ध किया गया है। जनपद स्तर पर वह ड्रग माफिया घोषित है और उसका गैंग नं0-32 है। जांच में पाया गया कि आरोपी ने मादक पदार्थों की तस्करी से धनोपार्जन कर अपनी पत्नी नगमी खातून के नाम पर पैसार, नगर परिषद नवाबगंज बाराबंकी में गाटा संख्या 198 मिन., क्षेत्रफल 558.70 वर्गमीटर का आवासीय मकान खरीदा था। 30 अप्रैल 2026 को न्यायनिर्णायक प्राधिकारी नई दिल्ली ने इस सम्पत्ति को फ्रीज करने का आदेश दिया, जिसके क्रम में पुलिस ने इसे कुर्क कर लिया।

संक्षिप्त खबरें

राहुल गांधी के वाइस सैंपल मिलान की अर्जी खारिज, अगली तारीख 11 मई

सुलतानपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले में शनिवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी के वाइस सैंपल मिलान की अर्जी को खारिज कर दिया। परिवादी के अधिवक्ता रिवीजन दाखिल करेंगे। यह मामला केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। अगली सुनवाई के लिए 11 मई की तिथि नियत हुई। मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने शनिवार को परिवादी की अर्जी पर सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुनाते हुए वॉयस सैंपल की मांग को अस्वीकार कर दिया। साथ ही अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 11 मई की तिथि नियत करते हुए बहस एवं बचाव पक्ष को जमानतनामे दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान परिवादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने दलील दी कि कथित ऑडियो-वीडियो की सत्यता की जांच के लिए वॉयस सैंपल आवश्यक है। वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने इसे कानूनी रूप से अनुचित बताते हुए अर्जी का विरोध किया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रखा था जिस पर शनिवार को फैसला सुनाते हुए परिवादी की मांग को खारिज कर दिया।

जिला कारागार में बंदी की हार्ट अटैक से मौत

मथुरा। जिला कारागार में शनिवार सुबह एक बंदी की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। जेल पुलिस ने घटना की जानकारी परिवार को देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जेल अधीक्षक अंशुमान गर्ग ने बताया नौहझील क्षेत्र के निवासी बंदी कुशलपाल की मृत्यु प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से माना जा रहा है। वह दिसंबर 2025 से आर्म्स एक्ट और हत्या जैसे गंभीर मामलों में न्यायिक अभिरक्षा के तहत जेल में बंद था। शनिवार की सुबह अचानक उसके सीने में तेज दर्द और बेचैनी की शिकायत पर उसे तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई। प्राथमिक जांच के बाद जब उसकी हालत अधिक बिगड़ने लगी, तो उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाने की तैयारी की गई। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। जांच के बाद प्रथमदृष्टतया बंदी की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है, जो एक सामान्य मृत्यु है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन आगे की कानूनी कार्रवाई और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुटे हैं ताकि मौत के सटीक कारणों की पुष्टि हो सके।

शराब पार्टी के दौरान चाट विक्रेता की हत्या

बागपत। जिले के डौला गांव में एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान हो गई है। घरवालों ने आरोप लगाया है कि दोस्तों ने शराब पार्टी के दौरान चाट विक्रेता की ईंट से पीट-पीटकर हत्या की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। कोतवाल बृजेश कुमार ने शनिवार को यह बताया कि मृतक की पहचान मूलचंद के रूप में हुई है, जो ठेला लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे गांव के ही दो युवक मूलचंद को अपने साथ बुलाकर ले गए थे। इसके बाद वह रात में घर नहीं लौटा। उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला। शनिवार सुबह परिजन गुमशुदगी की शिकायत करने थाना पहुंचे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मीतली गांव के जंगल में नलकूप के पास एक शव पड़ा हुआ है। मौके पर पुलिस और परिजन भी पहुंचे। घरवालों ने शव की शिनाख्त लापता मूलचंद के रूप में की है। इधर, घटनास्थल से पुलिस ने बीयर की बोतलें, अंडे, नमकीन सहित अन्य सामान बरामद किया, जिससे वहां शराब पार्टी होने की पुष्टि होती है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि दोस्तों ने ही मूलचंद को पार्टी के बहाने बुलाकर उसकी हत्या कर दी। मूलचंद अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला है उसके परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है। कोतवाल ने बताया है सुबह शव मिलने की सूचना मिली थी जिसके बाद मौके पर पहुंचकर शव की पहचान की गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

डीआईओएस गोरखपुर का आकस्मिक निधन

गोरखपुर। जनपद में तैनात जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अमरकान्त सिंह का शनिवार दोपहर लगभग 12:00 बजे लखनऊ में उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही शिक्षा विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। डॉ. सिंह के निधन से विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी स्तब्ध हैं और इसे अपूरणीय क्षति मान रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय, गोरखपुर परिसर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इसमें उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

सुलतानपुर। जिला के अखण्डनगर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। शव मिलने की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। स्थानीय पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना क्षेत्र के रतनपुर मजरा मैरवां स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के बगल के मैनी बाग में सूचना मिलने पर पुलिस चौकी प्रभारी कन्हैया कुमार पाण्डेय मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतरवाया। कादीपुर क्षेत्राधिकारी विनय गौतम ने शनिवार को बताया कि शव की पहचान ताजुद्दीनपुर, अखण्डनगर निवासी शेर बहादुर पुत्र जियालाल गौतम के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है और तहरीर प्राप्त होने पर नियमानुसार मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों ही पहलुओं पर अभी जांच कर रही है।

चार मई पश्चिम बंगाल से ममता दीदी गईं : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पश्चिम बंगाल में चार मई को आने वाले चुनाव नतीजों को लेकर ममता बनर्जी की सरकार जाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि कुर्सी जाने की छटपटाहट ने ममता बनर्जी की बेचैनी बढ़ा दी है। इसलिए ही वो चुनाव आयोग और केन्द्र सरकार पर झूठे और अनर्गल आरोप लगा रही हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने राजधानी में शनिवार को पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने साफ कहा कि श्चार मई ममता दीदी गईं। केशव ने कहा कि जिस तरह से वह (ममता बनर्जी) परेशान हैं और झूठे आरोप लगा रही हैं, उससे पता चलता है कि टीएमसी बड़ी हार की ओर बढ़ रही है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बंगाल के नतीजे का बंगाल ही नहीं, पूरा देश चार मई का इंतजार कर रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पश्चिम बंगाल में 15 बूथों पर रीपोलिंग के सवाल पर कहा कि इलेक्शन कमीशन उन बूथों पर दोबारा से मतदान करा रहा है जहां तृणमूल कांग्रेस गुंडागर्दी में शामिल थी और डेमोक्रेसी की हत्या करने की कोशिश की थी। हम चुनाव आयोग के कदम का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें रिपोर्ट मिली है कि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हो रहा है। पंजाब सदन में मुख्यमंत्री के शराब पीकर जाने के सवाल पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ऐसा आरोप अगर सत्य है तो निश्चित ही यह पतन की ओर जाने वाला है। यह मामला बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण है। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव के कुशीनगर मामले में राजनीति न करने वाले सवाल पर उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें मिर्ची लगी तो हम क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये जोड़ी हिट है, फिट है। 2027 का सपना तो छोड़िए, 2047 तक उनका उत्तर प्रदेश की सत्ता में सपा की वापसी का रास्ता नहीं है।

लेकिन योजनाबद्ध तरीके से आपके संरक्षण में शाक्य समाज सहित कुशवाहा, मौर्य, सैनी और अन्य वंचित व कमजोर वर्गों पर किए गए अत्याचारों को देश-प्रदेश न भूला है और न ही भूलेगा। इन अन्यायों का जवाब आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से कमल खिलाकर दिया जाएगा। 2047 तक विकसित भारत व विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प के साथ हर अन्याय का पूरा हिसाब किया जाएगा। इस मामले अखिलेश यादव को मिर्ची क्यों लगी ये वह ही जानें।

अब बिल्कुल स्वस्थ महसूस कर रहा हूं : अजय राय

वाराणसी। अचानक तबीयत बिगड़ने पर लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती हुए उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि बाबा विश्वनाथ की असीम कृपा और आप सभी की प्रार्थनाओं के आशीर्वाद से मैं अब बिल्कुल स्वस्थ महसूस कर रहा हूं। आप सभी के प्रेम और शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार। जल्द ही पूरी ऊर्जा के साथ जन सेवा में उपस्थित रहूंगा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से शनिवार को राजनीतिक क्षेत्र के लोगों ने मुलाकात कर कुशलक्षेम भी जाना है। अजय राय ने अपने शुभचिंतकों और पार्टी कार्यकर्ताओं को अपना संदेश जारी कर निश्चिंत रहने के लिए कहा है। अजय राय के परिवार के लोग अभी लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में मौजूद हैं।

पारिवारिक विवाद में बेटे ने पिता की गोली मारकर हत्या की, 24 घंटे में गिरफ्तार

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के जानी थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपने पिता की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना के 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 30 अप्रैल की है जब रसूलपुर धौलडी गांव निवासी रियाज (54) ने अपने पिता ऐजाज (72) को लाइसेंसी पिस्तौल से तीन गोलियां मार दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रियाज के पिता ने करीब 4.5 बीघा जमीन बेचकर धनराशि अपने खाते में जमा किया था जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद था। आरोपी अपने हिस्से की मांग कर रहा था और इसी विवाद के चलते उसने घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। इस संबंध में जानी थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने धौलडी बम्बा के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त .32 बोर की लाइसेंसी पिस्तौल, दो कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त कार बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश कर मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है

दो डंपर की आपस में टक्कर के कारण दो भाइयों की मौत

कानपुर। शनिवार सुबह दो डंपर की आपस में टक्कर के कारण दो भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना सुबह करीब छह बजे नौबस्ता बाईपास फ्लाईओवर पर हुई जब रेत से लदे डंपर चालक को कथित तौर पर झपकी आ गई और वह सड़क किनारे खड़े एक अन्य ट्रक से टकरा गया।

सहायक पुलिस आयुक्त (नौबस्ता) रंजीत कुमार ने बताया कि हादसा इतना भीषण था टक्कर मारने वाले डंपर का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और जालौन जिले के निवासी कमलकांत (27) और उनका छोटा भाई दीपक (25) उसमें फंस गए। करीब तीन घंटे तक चले बचाव अभियान में पुलिस और स्थानीय लोगों ने दोनों को बाहर निकालने का प्रयास किया और दोनों वाहनों को अलग करने के लिए क्रेन मंगाई गई। उन्होंने बताया कि दोनों को लाला लाजपत राय (एलएलआर) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना के कारण इस मार्ग पर करीब दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के बाद यातायात बहाल किया गया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है।

बहुभोज में चली गोली, युवक की मौत

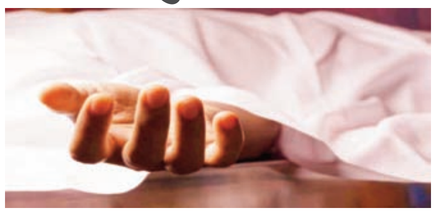

मीरजापुर। कोतवाली देहात क्षेत्र के रानीबारी गांव में शुक्रवार देर रात बहुभोज कार्यक्रम के दौरान गोली चलने से एक युवक की मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रितेश सिंह ने बताया कि अजय (22) पुत्र भूतनाथ रैदास निवासी रानीबारी को गोली लगी थी। उसे गंभीर हालत में देखा गया, लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि राजापुर निवासी बुंदेला पुत्र रघुनाथ ने अजय को गोली मारी। घटना की सूचना पर कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक के पिता की तहरीर पर नामजद आरोपित बुंदेला के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एएसपी ने बताया कि मामले में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है और आरोपित की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। मौके पर कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

बारातियों से भरी कार खंती में पलटी, दो की मौत, पांच घायल

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शनिवार को एक तेज रफ्तार महिंद्रा कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से टकराकर खंती में जा गिरी। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य पांच लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा।

थाना प्रभारी रमाशंकर सरोज ने बताया कि थाना गाजीपुर निवासी दीपू रैदास की शादी किशनपुर थाना क्षेत्र के अकबरपुर बड़वा निवासी भैयालाल रैदास की पुत्री रीता देवी के साथ हो रही थी। शुक्रवार रात बारात में शामिल होकर महिन्द्रा कार सवार सातों लोग शनिवार भोर पहर घर लौट रहे थे। अशोथर थाना क्षेत्र के पुर बुजुर्ग गांव के पास पहुंचते ही चालक कार पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे कार दाहिनी ओर सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से टकराकर खंती में जा गिरी। घटना में गाजीपुर थाना के मनीपुर निवासी शिवकरन (35) और उमेश पाल (40) की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं, दुर्घटना में भारत भूषण, अनूप कुमार, अतुल सिंह, सुखराज पाल और आशुतोष घायल हो गए। सभी घायलों को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल सदर फतेहपुर भेजा गया। घटना के बाद बारातियों और दोनों परिवारों में मातम छा गया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए सुबह वर-वधू की जल्द विदाई कराई गई। लड़का पक्ष शादी का सारा सामान छोड़कर दुल्हन को विदा कराकर वापस लौट गया। घटना से दोनों पक्षों के परिवारों में मातम का माहौल बना हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

थाना प्रभारी रमाशंकर सरोज ने बताया कि तेज रफ्तार होने के कारण कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई है। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल है। शवों को पोस्टमार्टम भेजने के साथ घायलों का उपचार कराया जा रहा है।

तहसील दिवस में महिला का हाई वोल्टेज ड्रामा,बोली आत्मदाह कर लूंगी

बहराइच। शनिवार को नानपारा तहसील में आयोजित तहसील दिवस में एक महिला का हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। नानपारा में आयोजित तहसील दिवस में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के सामने एक महिला अचानक चीखते हुए पहुँची और महिला अधिकारियों को चेतावनी देने लगी कि वह आत्मदाह कर लेगी। महिला का कहना था कि उसकी जमीन को अवैध तरीके से बेच दिया है। महिला जमीन पर कब्जा पाने के लिए पिछले दो वर्षों से दफ्तरों के चक्कर काट रही है। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने कहा कि पूरे मामले की जांच के बाद कार्यवाई की जाएगी।

पीड़िता की पहचान नवाबगंज थाना क्षेत्र के पंडोहिया निवासी सुनीता सिंह के रूप में हुई है। महिला ने अपने ससुर दरोगा सिंह के भाई जयपत्तर सिंह पर बंटवारे में मिली जमीन को किसी अन्य व्यक्ति को बेचने का आरोप लगाया है। पीड़ति विक्रय की गई जमीन पर खुद का दावा कर रही है। हालांकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। वहीं पीड़िता की मानें तो जयपत्तर सिंह ने बंटवारे में मिली जमीन बारी खान नामक व्यक्ति को बिना किसी बैनामे के बेच दी है। सुनीता इस जमीन को अपना बता रही है और पिछले दो वर्षों से इस पर अवैध कब्जा हटाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रही है।

इस मामले पर क्षेत्रीय लेखपाल विनय का कहना है कि सुनीता के ससुर के भाई ने बंटवारे की जमीन बारी खान को बिना बैनामे के बेच दी थी। फिलहाल विवादित जमीन पर बारी खान मकान बना कर रह रहे हैं। उन्होंने न्यायालय में वाद दायर कर रखा है,जिस कारण कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है।

डंपर की टक्कर से दो लोगों की मौत,4 अन्य गंभीर रूप से घायल

हरदोई। कोतवाली क्षेत्र में शनिवार तड़के सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक तड़के करीब पौने चार बजे मन्ना पुरवा के पास डंपर ने कार और मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। उसने बताया कि टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि मोटरसाइकिल सवार युवक डंपर के नीचे दब गया और कार सवार लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा क्रेन की मदद से डंपर के नीचे दबे युवक को बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार सभी घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान शहाबुद्दीनपुर के रामरहीस (45) और श्रीमऊ गांव के आशीष शर्मा (30) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रामरहीस सांडी में शादी समारोह से लौट रहे थे तथा कार में उनके साथ 13 वर्षीय पुत्र शोभित, बहनोई अरुण, चचेरा भाई शैलेंद्र और गांव के अनुराग भी थे। आशीष शर्मा बिलग्राम से शादी से लौटते समय हादसे का शिकार हुए। चारों घायलों का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। नगर क्षेत्र के सीओ अंकित मिश्रा ने बताया कि सूचना मिली कि हरदोई-सांडी रोड पर मन्ना पुरवा के पास डंपर, कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिसके बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि घायल रामरहीस और आशीष की मौत हो गई, जबकि अन्य चार का उपचार चल रहा है। सीओ ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है एवं वैधानिक कार्रवाई जारी है।

प्रधानमंत्री महिला रोजगार योजना के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह बेनकाब, दो आरोपित गिरफ्तार

औरैया। जनपद में साइबर थाना पुलिस ने महिलाओं को रोजगार दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा प्रधानमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत सिलाई सेंटर खोलने और नौकरी दिलाने का झांसा देकर ग्रामीण महिलाओं से ठगी की जा रही थी। पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक कानपुर परिक्षेत्र के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

पुलिस अधीक्षक औरैया के निर्देशन में साइबर के पर्यवेक्षण में साइबर थाना टीम ने इस गिरोह का भंडाफोड़ किया। मामला तब सामने आया जब अजीतमल थाना क्षेत्र के ग्राम पडरिया ऊंचा निवासी वंदना ने शिकायत दर्ज कराई कि एक महिला और पुरुष ने उसे प्रधानमंत्री महिला रोजगार योजना के नाम पर सिलाई सेंटर खोलने व नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगी की। इस पर साइबर थाना में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार शनिवार को ककोर बंबा के पास से दो आरोपियों—सौरभ उर्फ टीटू (निवासी मैनपुरी) और सुनीता (निवासी बिधूना, औरैया)को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे गांवों में जाकर महिलाओं को सरकारी योजना का झांसा देते थे और सिलाई सेंटर खोलने के नाम पर 250 रुपये प्रति महिला लेते थे। इसके बाद महिलाओं के आधार कार्ड और दस्तावेज लेकर उनके नाम पर लोन करा देते थे और उससे खरीदे गए सामान जैसे ई-स्कूटी, इन्वर्टर आदि खुद ले जाते थे। इस तरीके से अब तक करीब 10-12 लाख रुपये की ठगी की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से इन्वर्टर, बैटरी, ई-स्कूटी, मोबाइल फोन, 100 से अधिक आधार कार्ड की प्रतियां, स्टांप पेपर और फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं।

मामले में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने बताया कि ठगी करने वाले दोनों आरोपितों के खातों को फ्रीज कर दिया गया है और न्यायालय के आदेश के बाद पीड़िताओं की धनराशि वापस कराई जाएगी।

पंजाब की निगाह वापसी पर, जीत की हैट्रिक लगाने की कोशिश करेगा गुजरात

अहमदाबाद। पिछले मैच में पंजाब किंग्स का जीत का सिलसिला टूट गया और वह लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगा।

राजस्थान रॉयल्स ने इस सप्ताह के शुरू में पंजाब किंग्स के अजेय अभियान पर रोक लगा दी थी। हालांकि पंजाब किंग्स की टीम आठ मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स उससे सिर्फ एक अंक पीछे हैं। लगातार छह जीत हासिल करके शुरुआती बढ़त बनाने वाली पंजाब किंग्स की गेंदबाजी विभाग को लेकर कुछ चिंताएं हैं।

पंजाब के बल्लेबाजों की तरह उसके गेंदबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाए हैं। उसके बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण गेंदबाजों की कमियां खुलकर सामने नहीं आई हैं लेकिन टूर्नामेंट अब महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच चुका है और ऐसे में कोई कमजोरी टीम पर भारी पड़ सकती है। गेंदबाजों की असफलता के कारण पंजाब के बल्लेबाजों पर दबाव पड़ रहा है, क्योंकि या तो उन्हें बड़े लक्ष्य हासिल करने पड़ रहे हैं या फिर पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना पड़ रहा है।

ऐसे में पंजाब को अब अधिक स्पष्ट रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा। पंजाब की फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही है और उसने कई कैच छोड़े हैं। टीम प्रबंधन को इस विभाग में भी काम करने की जरूरत है। हालांकि बल्लेबाजी अब भी पंजाब की सबसे बड़ी ताकत है।

सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दी है, वहीं कूपर कोनोली ने भी रन बनाए हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाला मध्य क्रम मजबूत स्कोर बनाने या लक्ष्य का पीछा करने में सक्षम साबित हुआ है। दूसरी ओर गुजरात टाइटन्स की टीम लगातार दो मैच जीतकर इस मैच में उतर रही है, हालांकि उसका अभियान उतार चढ़ाव वाला रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स और फिर आरसीबी के खिलाफ लगातार जीत के बाद टाइटन्स 10 अंकों के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर हैं।

गुजरात की बल्लेबाजी उसके शीर्ष तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर के इर्द-गिर्द घूमती रही है। इन तीनों पर अत्यधिक निर्भरता टीम के लिए चिंता का विषय है।

वॉशिंगटन सुंदर ने मध्य क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक प्रभाव नहीं डाल पाए हैं। टीम को संतुलन प्रदान करने के लिए जेसन होल्डर को भी मध्य क्रम में शामिल किया गया है और उन्होंने मौजूदा चैंपियन आरसीबी के खिलाफ जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेस्टइंडीज के इस गेंदबाज ने अपने चार ओवरों में 29 रन देकर दो विकेट लिए और तीन कैच भी लिए। पिछले मैच में गुजरात के लिए एक और उत्साहजनक संकेत उसकी गेंदबाजी रही। गेंदबाजी आक्रमण अधिक अनुशासित दिखाई दिया।

लेंथ पर बेहतर नियंत्रण और महत्वपूर्ण चरणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए उन्होंने आरसीबी को 155 रन पर आउट कर दिया था।

इस प्रकार हैं टीम

- **गुजरात टाइटंस:** शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, अनुज रावत, कुलवंत खेजरोलिया, राहुल तेवतिया।
- **पंजाब किंग्स:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद।

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

सूर्यवंशी को आंख दिखाने पर जैमीसन को मिला एक डिमैरिट अंक

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद उनके प्रति आक्रामक अंदाज अपनाने के लिए एक डिमैरिट अंक का दंड दिया गया है।

आईपीएल ने बयान में कहा, ''काइल जैमीसन ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आईपीएल की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन किया जिसके लिए उन्हें एक डिमैरिट अंक दिया गया और उन्हें चेतावनी भी दी गई।'' न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो ''ऐसी भाषा, कार्यों या इशारों का उपयोग करने से संबंधित है जो किसी अन्य खिलाड़ी का अपमान करते हैं या उससे आक्रामक प्रतिक्रिया को उकसा सकते हैं।''

यह घटना राजस्थान रॉयल्स की पारी के दूसरे ओवर में घटी, जब 15 वर्षीय सूर्यवंशी को आउट करने के बाद जैमीसन आक्रामक अंदाज में उनके पास गए। सूर्यवंशी ने हालांकि किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं की लेकिन वह ऐसा कर सकते थे। जैमीसन ने अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी राजीव सेठ द्वारा दिए गए दंड को स्वीकार कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में सात विकेट से जीत हासिल की थी।

टेपे सिगेमन शतरंज 2026: अर्जुन एरिगैसी ने दुनिया के नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को ड्रॉ पर रोका

माल्मो (स्वीडन)। टेपे सिगेमन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट के 31वें संस्करण में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने शानदार शुरुआत करते हुए दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पहले दौर में ड्रॉ पर रोक दिया। मैच के दौरान कार्लसन ने क्वीन साइड पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन अर्जुन ने सटीक बचाव करते हुए 24...b6! चाल चलकर पास्ड प्यादे के खतरे को खत्म कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपने घोड़े को सक्रिय करते हुए स्थिति को सरल बनाया। रूक के आदान-प्रदान के बाद सफेद मोहरों के पास जीत का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं बचा और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

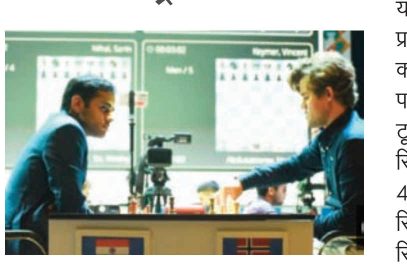

अर्जुन एरिगैसी के लिए 2026 की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। वह टाटा स्टील मास्टर्स में 13वें और फीडे फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे, जिसे कार्लसन ने जीता था। यह टूर्नामेंट क्लासिकल शतरंज के सबसे मजबूत आयोजनों में से एक माना जाता है। इसमें 2024 के विजेता नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव, 2021 के चैंपियन जोर्डन वान फोरेस्ट और स्वीडन के नंबर-1 खिलाड़ी निल्स ग्रैंडेलियस जैसे दिग्गज खिलाड़ी खिताब के लिए मुकाबला कर रहे हैं।

अर्जुन का यह ड्रॉ उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला साबित हो सकता है, क्योंकि उन्होंने दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया।

सिनर ने अपने करियर की 350वीं जीत दर्ज की

मैड्रिड। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने करियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। सिनर ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6-2, 7-5 से हराया। सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे। सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं। यही नहीं सिनर एक विशिष्ट सूची में भी शामिल हो गए हैं।

KKR के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगा सनराइजर्स

हैदराबाद। अपने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से खिताब के दावेदारों में शामिल हुई सनराइजर्स हैदराबाद की टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी। सनराइजर्स की टीम लगातार पांच मैच जीत चुकी है और अंकतालिका में नौ मैचों में 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उसने अब तक छह मैच जीते हैं जबकि तीन मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

दूसरी ओर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर की टीम अभी तक संघर्ष करती रही है, लेकिन उसने अपने आखिरी दो मैच जीते हैं। दस टीमों के इस टूर्नामेंट में वह आठवें स्थान पर है। सनराइजर्स के पास टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर काबिज अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन हैं। ईशान किशन के रूप में सनराइजर्स के पास एक और विस्फोटक बल्लेबाज है जो किसी भी दिन अपने दम पर मैच का रुख बदल सकता है और उन्होंने इस सत्र में इसे साबित भी किया है। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने भी सनराइजर्स के पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 76 रन बनाकर फॉर्म में शानदार वापसी की। उनकी इस पारी की बदौलत सनराइजर्स ने 18.4 ओवर में छह विकेट शेष रहते 243 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर दिया।

नीतीश कुमार रेड्डी और सलिल अरोड़ा ने जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स की मजबूत बल्लेबाजी को देखते हुए केकेआर कि गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस की वापसी से उसे मजबूती मिली है। उनके अलावा प्रफुल्ल हिंगे, ईशान मलिंगा, रेड्डी और साकिब हुसैन भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं।

सनराइजर्स ने इन दोनों टीम के बीच खेले गए पिछले मैच में 65 रन से जीत हासिल की थी जिससे वह अधिक आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। केकेआर की टीम को अभी तक पांच मैच में हार का सामना करना पड़ा जबकि इसका एक मैच बारिश के कारण रद्द करना पड़ा था। केकेआर ने 2025 में निराशाजनक अभियान के बावजूद रहाणे को कप्तान बनाए रखा लेकिन यह बल्लेबाज अभी तक टीम को प्रेरित करने में नाकाम रहा है। उन्होंने एक बल्लेबाज के रूप में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन कप्तान के रूप में उनके कुछ फैसले संदिग्ध रहे हैं। यह देखना बाकी है कि क्या केकेआर आखिरकार रचिन रविंद्र को टीम में शामिल करता है या नहीं, क्योंकि वह काफी समय से बेंच पर बैठे हैं। फिन एलन और टिम सीफर्ट भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं, जबकि अंगकृष रघुवंशी, कैमरन ग्रीन और रोवमैन पॉवेल जैसे खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

केकेआर को कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती का नहीं चल पाने से भी नुकसान उठाना पड़ा है। गेंदबाजी में उसकी टीम मुख्य रूप से अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा और कार्तिक त्यागी जैसे घरेलू खिलाड़ियों पर निर्भर है।

टीम इस प्रकार हैं

- **सनराइजर्स हैदराबाद:** पैट कमिंस (कप्तान), सलिल अरोड़ा , ईशान किशन , हेनरिक क्लासेन , ट्रैविस हेड, रविचंद्रन अश्विन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार, अमित कुमार, गेराल्ड कोएत्जी, प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, ओंकार तरनाले, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।
- **कोलकाता नाइट राइडर्स:** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजाराबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी। सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।

सस्ता होने के कारण मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन में सुधार

नई दिल्ली। सोयाबीन तेल के मुकाबले दाम सस्ता होने के कारण मांग बढ़ने से शनिवार को सरसों तेल-तिलहन के दाम में सुधार दर्ज हुआ। इसके अलावा सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की स्थानीय मांग बढ़ने से सोयाबीन तेल-तिलहन, गर्मियों में औद्योगिक मांग बढ़ने से पाम-पामोलीन तथा उपलब्धता घटने से बिनौला तेल के दाम भी मजबूत रहे। ऊंचे दाम के कारण कमजोर कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम यथावत रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि बाजार में सरसों की आवक आम वर्षो के मुकाबले काफी कम है। दूसरा, दिल्ली, हरियाणा जैसे राज्यों में सोयाबीन तेल के मुकाबले सरसों तेल 12-14 रुपये किलो सस्ता है जबकि देश के अन्य स्थानों पर यह 7-8 रुपये किलो सस्ता है। कमजोर आयवर्ग के उपभोक्ताओं में सरसों तेल की मांग बढ़ी है। इन कारणों से सरसों तेल-तिलहन के दाम में सुधार आया।

वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में हुए 3.53 लाख करोड़ रुपये के 2,792 एमओयू

सूरत। गुजरात सरकार ने दक्षिण गुजरात के लिए आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात' क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान 3,53,306 करोड़ रुपये के 2,792 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन परियोजनाओं से आने वाले वर्षों में करीब 2.82 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने यहां सम्मेलन के समापन समारोह में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दो दिनों के इस सम्मेलन में बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं, जो अगले तीन वर्षों में लागू होने पर रोजगार के अवसर पैदा करेंगे।

उन्होंने बताया कि इससे पहले मेहसाणा (उत्तर गुजरात) और राजकोट (सौराष्ट्र-कच्छ) में भी ऐसे क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। सरकार ने 'वाइब्रेंट गुजरात' पहल को राजधानी गांधीनगर से बाहर विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाया है, ताकि

अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। सांघवी ने कहा कि इन सम्मेलनों का उद्देश्य छोटे कारोबारियों को वैश्विक अवसरों से सीधे जोड़ना है। उन्होंने बताया कि दक्षिण गुजरात के उद्यमियों को रवांडा, अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर और जापान सहित 20 देशों के प्रतिनिधियों से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान ऐसे उद्योगों को बढ़ावा देने पर है, जो विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार पैदा कर सकें।

डॉलर इंडस्ट्रीज के संस्थापक दीनदयाल गुप्ता का 88 वर्ष की आयु में निधन

कोलकाता। होजरी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और मानद चेयरमैन दीनदयाल गुप्ता का शनिवार को उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। गुप्ता के परिवार में उनकी पत्नी, चार बेटे और पोते-पोतियां हैं, जो अब डॉलर इंडस्ट्रीज का व्यवसाय संभालते हैं। हरियाणा के भिवानी जिले के मानहेरू गांव में 13 सितंबर, 1937 को जन्मे गुप्ता 1962 में कोलकाता आ गए थे। उन्होंने ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप होजरी उत्पादों का निर्माण और बिक्री शुरू की। उन्होंने 1972 में डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड की नींव रखी और पांच दशकों से अधिक समय तक इसे एक साधारण शुरुआत से आगे बढ़ाते हुए भारत के अग्रणी होजरी और परिधान निर्माताओं में से एक बनाया। इसका राजस्व 1,700 करोड़ रुपये से अधिक है।

कोलकाता मेट्रो की 671.72 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मिली मंजूरी

कोलकाता। कोलकाता मेट्रो रेलवे के उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर का सुदृढ़ीकरण करने के लिए 671.72 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

परियोजना की अनुमानित लागत में ब्लू लाइन के किनारे 291.06 करोड़ रुपये की लागत से सात नए बिजली वितरण उपकेंद्र स्थापित करना शामिल है। मेट्रो रेलवे ने एक बयान में बताया कि एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन से कवि सुभाष - न्यू गारिया तक उत्तर-

दक्षिण कॉरिडोर में सहायक उपकेंद्र (एएसएस) और ट्रैक्शन सबस्टेशन (टीएसएस) प्रणालियों के संवर्धन और उन्नयन के लिए यह कार्य किया जा रहा है। बयान के मुताबिक, नेताजी मेट्रो स्टेशन से कवि सुभाष मेट्रो स्टेशन तक एलिवेटेड खंड में बिजली आपूर्ति बढ़ाने के लिए, जिसमें मौजूदा 11 केवी सिस्टम को 33 केवी सिस्टम में अद्यतन करना शामिल है, मेट्रो ने 380.66 करोड़ रुपये की लागत का अनुमान लगाया गया है।

कोलकाता मेट्रो का निर्माण 1980 के दशक में किया गया था और इसे शुरू में प्रति पांच मिनट पर एक ट्रेन का संचालन करने के लिए डिजाइन किया गया था। हालांकि, यात्रियों की बढ़ती मांग के मद्देनजर और अधिक रेलगाड़ियों के परिचालन की आवश्यकता बढ़ गई है।

सरकार ने 'मल्टी-लेयर पेपर बोर्ड' पर न्यूनतम आयात मूल्य 30 सितंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली। सरकार ने 'वर्जिन मल्टी-लेयर पेपर बोर्ड (वीपीबी)' के आयात पर लागू न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) को 30 सितंबर, 2026 तक बढ़ा दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (एमआईपी) की ओर से जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। अधिसूचना के अनुसार इस उत्पाद के आयात पर लागत, बीमा और माल भाड़ा (सीआईएफ) मूल्य के आधार पर 67,220 रुपये प्रति टन का न्यूनतम आयात मूल्य निर्धारित किया गया है, जिसे अब 30 सितंबर, 2026 तक लागू रखा जाएगा। सरकार ने यह एमआईपी पहली बार अगस्त 2025 में लागू किया था। अधिसूचना में कहा गया कि निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम पर इस उत्पाद का आयात नहीं किया जा सकेगा।

सीडीएसएल को 2025-26 में 455 करोड़ रुपये का मुनाफा, आय 1,239 करोड़ रुपये

मुंबई। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ घटकर 80 करोड़ रुपये रह गया। सीडीएसएल ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 100 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

कंपनी के अनुसार, समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 268 करोड़ रुपये हो गई, जो एक वर्ष पहले 256 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 455 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2024-25 में यह 526 करोड़ रुपये था। वहीं, कुल एकीकृत आय बढ़कर 1,239 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 1,199 करोड़ रुपये थी। सीडीएसएल ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक 18 करोड़ से अधिक डीमैट खाते दर्ज कर वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली पहली डिपॉजिटरी बन गई है।

एक वर्ष पहले यह संख्या 15.30 करोड़ थी। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नेहल वोरा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 कंपनी के लिए एक अहम पड़ाव रहा है और डीमैट खातों की बढ़ती संख्या भारतीय निवेशकों के पूंजी बाजार में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। सीडीएसएल के निदेशक मंडल ने 2025-26 के लिए प्रति शेयर 10 रुपये अंकित मूल्य पर 12.75 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

एक्सिस बैंक की पहली डिजिटल लॉकर-केंद्रित शाखा की शुरुआत

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक ने शनिवार को यहां अपनी पहली डिजिटल लॉकर-केंद्रित शाखा खोली। बैंक के इस नई सुविधा का मकसद ऑटोमेटेड लॉकर सेवाओं के जरिए बेहतर सुरक्षा और ग्राहक अनुभव देना है।

एक्सिस बैंक ने शनिवार को एक बयान में कहा कि ये शाखा सुरक्षित बैंकिंग को नए सिरे से परिभाषित करने की दिशा में एक कदम है। इसमें उन्नत स्वचालन, उच्च स्तरीय सुरक्षा और अत्याधुनिक लॉकर सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने पर जोर दिया गया है। साथ ही बैंक खासकर शहरी इलाकों में सेफ डिपॉजिट लॉकरों की बढ़ती मांग को पूरा कर रहा है। इस नई ब्रांच में डिजिटल और ऑटोमेटेड

लॉकर सिस्टम को दिया गया है, जिससे ग्राहकों को ज्यादा सुरक्षित और आसान एक्सेस मिलेगा। इसमें मल्टी-लेयर सिक्योरिटी, सेंसर बेस्ड प्रोटेक्शन और सेंट्रली मॉनिटर वॉल्ट जैसी सुविधाएं शामिल हैं, जिसकी खास बात यह है कि ग्राहक 24×7 अपने लॉकर तक पहुंच बना सकते हैं। इस ब्रांच का उद्घाटन एम नागराजू ने किया। इस दौरान बैंक के एमडी अमिताभ चौधरी और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुनीश शारदा भी मौजूद रहे। एक्सिस बैंक ने एक्स पोस्ट पर लिखा, अगली पीढ़ी के रोबोटिक स्मार्ट लॉकर के साथ बैंकिंग सुरक्षा के भविष्य का अनुभव करें, जहां डिजाइन और सटीक इंजीनियरिंग का मेल होता है। बेहतर बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन और छह-पॉइंट सेंसर सिस्टम के साथ, आपकी कीमती चीजें सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध रहती हैं। इसके साथ बैंकिंग के भविष्य में कदम रखें।

देश में बैंक लॉकर की मांग तेजी से बढ़ रही है, खासकर मेट्रो और बड़े शहरों में इसकी मांग ज्यादा है। एक अनुमान के मुताबिक 2030 तक करीब 6 करोड़ लोगों को बैंक लॉकर की जरूरत होगी, जबकि मौजूदा समय में सिर्फ करीब 60 लाख लॉकर उपलब्ध हैं। इससे साफ है कि मांग और सप्लाई के बीच बड़ा अंतर है।

वित्त मंत्रालय ने बीमा क्षेत्र में 100% एफडीआई को अधिसूचित किया

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को स्वचालित मार्ग के तहत बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अधिसूचित कर दिया है।

विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण लिखत) (द्वितीय संशोधन) नियम, 2026 के अनुसार बीमा कंपनियों और ब्रोकरों सहित बिचौलियों में स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति होगी। वहीं भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के लिए यह सीमा 20 प्रतिशत तय की गई है।संसद ने दिसंबर 2025 में 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) विधेयक, 2025' पारित किया था। इसने बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को पहले के 74 प्रतिशत से बढ़ाकर स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत करने का रास्ता साफ किया।

राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद यह विधेयक कानून बन गया था। इसके बाद फरवरी 2026 में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई को अधिसूचित किया था।

फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश: रुक्मिणी वसंत

मुंबई। हाल ही में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत ने ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा: ए लेजेंड चैप्टर 1 के भव्य पैमाने और इसकी अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने अपने करियर में पहले कभी ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया। उन्होंने कहा, "इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। रुक्मिणी ने आगे कहा कि वह निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस नई दुनिया को देखकर बहुत खुश और रोमांचित हैं। अभिनेत्री ने बताया, "मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।" यह टिप्पणी फिल्म की मौलिकता और उसके बड़े पैमाने पर निर्माण की ओर इशारा करती है, जिससे यह एक असाधारण सिनेमाई अनुभव होने की उम्मीद बढ़ जाती है। रुक्मिणी ने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बन रही है, जो गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए जानी जाती हैं। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कई स्थापित और प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे फिल्म की कास्टिंग भी काफी दमदार लग रही है। टॉक्सिक न केवल हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी, बल्कि तमिल, मलयालम समेत कई अन्य भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी इसे डब किया जाएगा। यह व्यापक रिलीज रणनीति यह सुनिश्चित करेगी कि फिल्म पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सके, जिससे इसकी पहुंच और प्रभाव और भी बढ़ जाएगा।

मुनव्वर फारूकी बने पिता घर आई खुशियां

मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन और मुनव्वर फारूकी के घर एक बार फिर खुशियों ने दस्तक दी है। मुनव्वर और उनकी पत्नी महजबीन कोटवाला एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता बन गए हैं। शादी के करीब दो साल बाद आई इस खुशखबरी ने उनके फैंस के बीच जश्न का माहौल बना दिया है। सोशल मीडिया पर उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। मुनव्वर ने सोशल मीडिया के जरिए इस खास पल को फैंस के साथ शेयर किया। उन्होंने अस्पताल से पत्नी और नवजात बेटी की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। हालांकि, प्राइवेसी बनाए रखते हुए उन्होंने चेहरे को पूरी तरह नहीं दिखाया। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, ₹घर बरकत आई।₹ तस्वीरों में मुनव्वर की खुशी साफ झलक रही है। बता दें कि मुनव्वर और महजबीन इसी महीने अपनी दूसरी शादी की सालगिरह मनाने वाले हैं। इस मौके से पहले पिता बनने की खुशी उनके लिए और खास बन गई है। वरुण धवन, गौहर खान, अली गोनी और रणवीर अल्लाहबादिया समेत कई सितारों ने उन्हें बधाई दी है। गौरतलब है कि मुनव्वर और महजबीन ने साल 2024 में गुपचुप तरीके से निकाह किया था और अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर रखा। मुनव्वर की पहली शादी से एक बेटा भी है।

फिल्ममेकर औशिम खेतरपाल का फिल्मी अंदाज 'पीस एंड यूनिटी' की मशाल से दिया संदेश

तिरुवन्नामलई स्थित पवित्र अरुणाचलम में आयोजित 17वें वार्षिक आध्यात्मिक महोत्सव के दौरान अभिनेता और फिल्म निर्माता औशिम खेतरपाल को 'आध्यात्मिक नेतृत्व सम्मान' से सम्मानित किया गया। धार्मिक विषयों पर आधारित फिल्मों, धारावाहिकों और समाज सेवा में उनके योगदान को देखते हुए संतों और आध्यात्मिक गुरुओं ने उन्हें यह विशेष सम्मान प्रदान किया। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और संतों की उपस्थिति रही। 'साई बाबा शांति पुरस्कार' की 'शांति और एकता की मशाल' की शुरुआत वेटिकन सिटी से हुई थी, जिसके बाद यह दक्षिण अफ्रीका और डैलस होते हुए भारत पहुंची। अरुणाचलम में 100 से अधिक साधु-संतों की मौजूदगी में इस मशाल को औशिम खेतरपाल द्वारा प्रज्ज्वलित किया गया, जो वैश्विक शांति पहल का एक महत्वपूर्ण क्षण रहा। इस आयोजन का संचालन स्वामी साई रविचंद्रन के मार्गदर्शन में अक्षय श्री साई ध्यान सभा मंदिर द्वारा किया गया। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने गिरिवलम परिक्रमा में भाग लिया और हवन, अभिषेक, आरती, भजन व अन्नदान जैसे धार्मिक एवं सेवा कार्य संपन्न हुए, जो 'सबका मालिक एक' के संदेश को सशक्त करते हैं। इस अवसर पर औशिम खेतरपाल ने कहा कि आज की दुनिया में शांति की सबसे अधिक आवश्यकता है और ऐसे प्रयास समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी आगामी फिल्म चिल्ड्रेन ऑफ गॉड 19 जून को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी, जो लैंगिक विविधता, मानवाधिकार और आत्म-स्वीकृति जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सामने लाएगी।

यूक्रेन रूस के अंदर ड्रोन के माध्यम से तेल संयंत्रों को बना रहा निशाना

मास्को। यूक्रेनी ड्रोन रूस के अंदरूनी इलाकों में तेल संयंत्रों को निशाना बना रहे हैं जिससे धुएं के बड़े गुबार उठ रहे हैं जिन्हें अंतरिक्ष से भी देखा जा सकता है और काला सागर के पर्यटन स्थलों पर विषैली बारिश भी हो रही है। इन हमलों का उद्देश्य रूस के तेल निर्यात को कम करना है क्योंकि तेल निर्यात यूक्रेन पर निरंतर रूसी आक्रमण के लिए धन का एक प्रमुख स्रोत है।

हालांकि आर्थिक प्रभाव अभी तक स्पष्ट नहीं है, क्योंकि ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में वृद्धि और अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील से क्रेमलिन के खजाने में वृद्धि हुई है। फिर भी, हमलों की व्यापकता और उनके पर्यावरणीय प्रभाव से युद्ध का असर मोर्चे से दूर आम रूसियों तक पहुंच रहा है। यूक्रेन के ड्रोन ने दो सप्ताह से भी कम समय में चार बार काला सागर के किनारे तुआपसे शहर में तेल रिफाइनरी और निर्यात टर्मिनल को निशाना बनाया है, जिससे आग लग गई और स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। यह शहर सीमा से करीब 450 किलोमीटर की दूरी पर है। यूक्रेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने रूस के पर्म क्षेत्र में एक तेल पंपिंग स्टेशन पर लगातार दो दिनों तक हमला किया है।

यह क्षेत्र यूक्रेन से 1,500 किलोमीटर (900 मील) से अधिक दूर है। रूसी मीडिया ने इन हमलों की खबर दी। हालांकि पर्म के गवर्नर दिमित्री माखोनिन ने केवल इतना कहा कि ड्रोन ने औद्योगिक सुविधाओं को निशाना बनाया है। बाल्टिक सागर में रूस के सबसे बड़े तेल और गैस निर्यात टर्मिनलों में से एक, उस्त-लुगा पर मार्च के अंत में एक सप्ताह के भीतर तीन बार हमला हुआ।

यह यूक्रेन से 800 किलोमीटर (500 मील) से अधिक दूर है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ऐसे हमलों की तुलना रूस पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से की है। जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि रूस को इस साल के आरंभ से ही अपने तेल क्षेत्र पर हुए हमलों के परिणाम स्वरूप कम से कम सात अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि यूक्रेनी खुफिया जानकारी से संकेत मिलता है कि उस्त-लुगा और प्रिमोर्स्क जैसे प्रमुख तेल बंदरगाहों से निर्यात में गिरावट आई है। लेकिन इसका पूरा आर्थिक प्रभाव अभी भी स्पष्ट नहीं है क्योंकि रूस पश्चिम एशिया संकट से लाभ उठा रहा है।

नेपाल के सल्यान पुलिस कार्यालय परिसर की खुदाई में 86 सॉकेट बम मिले

काठमांडू। नेपाल के सल्यान जिला पुलिस कार्यालय परिसर में भवन निर्माण के लिए नींव की खुदाई के दौरान शनिवार को बड़ी मात्रा में बम बरामद हुए। जिला पुलिस कार्यालय सल्यान ने बताया कि पूर्वाह्न 11:20 बजे तक कुल 86 सॉकेट बम बरामद किए जा चुके थे। जिला पुलिस कार्यालय सल्यान के प्रमुख डीएसपी डॉ. हेमबहादुर केसी ने बताया कि यह बम शारदा नगरपालिका स्थित जिला पुलिस कार्यालय परिसर में निर्माण कार्य के दौरान मिले। बुधवार दोपहर पुलिस परिसर में संदिग्ध वस्तु दिखाई देने के बाद खुदाई शुरू की गई थी। खुदाई के दौरान 7 रेडियो वेव उपकरण, लगभग 500 ग्राम विस्फोटक पदार्थ, करीब 2 किलो बम बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और 10 मीटर फायरिंग केबल भी बरामद किए गए हैं। घटना सार्वजनिक होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने उच्च सतर्कता अपनाई है। प्रारंभिक चरण में पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। इसके बाद नेपाली सेना के मेजर कृष्ण क्षेत्री के नेतृत्व में सेना की टीम घटनास्थल पर पहुंची थी। आगे की खुदाई में अतिरिक्त 10 सॉकेट बम मिलने पर बम निष्क्रिय करने के लिए विशेष टीम बुलाई गई। दांग जिला से सेना के बम डिस्पोजल टीम को बुलाया गया है और शनिवार सुबह से विभिन्न टीम भी घटनास्थल पर तैनात है। पुलिस के अनुसार बरामद सभी विस्फोटक सामग्रियों को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने की तैयारी की जा रही है।

अमेरिका ने ईरानी तेल आयात करने पर चीन स्थित कच्चे तेल टर्मिनल संचालक पर प्रतिबंध लगाए

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन स्थित एक कच्चे तेल टर्मिनल संचालक पर ईरानी संस्थाओं से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात करने पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका ने चेतावनी भी दी है कि अगर किसी अन्य ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए तेहरान को कोई "शुल्क" दिया, तो उसे भी ऐसे ही परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने एक बयान में कहा, "अमेरिका ईरान के अवैध तेल व्यापार को बाधित करने के लिए निर्णायक कार्रवाई कर रहा है। यह व्यापार ईरानी शासन की आय का मुख्य स्रोत है, जिससे आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता को वित्तीय मदद मिलती है।" पिगॉट ने कहा कि मंत्रालय ने ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के व्यापार में शामिल कई संस्थाओं, एक व्यक्ति और एक पोत पर प्रतिबंध लगाए हैं। इस कार्रवाई के तहत चीन स्थित पेट्रोलियम टर्मिनल संचालक क्विंगदाओ हाइये ऑयल टर्मिनल कंपनी लिमिटेड को निशाना बनाया गया है। इस कंपनी ने करोड़ों बैरल प्रतिबंधित ईरानी कच्चे तेल का पिछले साल फरवरी से आयात किया है। अमेरिका ने चीनी नागरिक और क्विंगदाओ हाइये के अध्यक्ष शिंगचुन ली तथा दो पोत प्रबंधन कंपनियों- ब्रिटेन स्थित थ्राइविंग टाइम्स इंटरनेशनल और हांगकांग स्थित ऑनबोर्ड शिप मैनेजमेंट लिमिटेड- पर भी प्रतिबंध लगाए हैं।

विद्रोहियों ने उत्तरी माली के टेसालिट शहर में एक सैन्य शिविर को कब्जे में लेने का दावा किया

बमाको। माली में अलगाववादी विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि देश की सेना और उनके रूसी सहयोगियों के पीछे हटने के बाद उन्होंने उत्तरी शहर टेसालिट में एक सामरिक सैन्य शिविर पर कब्जा कर लिया है। अलगाववादी समूह 'अजावाद लिबरेशन फ्रंट' का यह दावा माली के सत्तारूढ़ सैन्य शासन के लिए एक और झटका है। इस सप्ताह की शुरुआत में सैन्य शासन ने प्रमुख शहर किडाल पर अपना नियंत्रण खो दिया। इससे पहले, हमले में माली के रक्षा मंत्री सादियो कामरा की मौत हो गई थी।

इस बीच अलगाववादियों ने देश में पिछले एक दशक से अधिक समय में सबसे बड़े हमलों का दौर शुरू किया है। स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, माली की सेना और रूस की अफ्रीका कोर के सदस्य बृहस्पतिवार को टेसालिट से पीछे हट गए। अजावाद लिबरेशन फ्रंट (एफएलए) अल-कायदा समर्थित जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) के साथ मिलकर लड़ रहा है। एफएलए के शीर्ष 'कमांडर' अचाफघी अग बौहांदा ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में टेसालिट शिविर पर कब्जा करने की घोषणा की। यह सैन्य शिविर हवाई अड्डे और अल्जीरिया की सीमा के निकट सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है। 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) इस सैन्य शिविर की स्थिति की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका क्योंकि यह सैन्य शिविर ऐसे क्षेत्र में स्थित है जहां इंटरनेट सेवा सुचारू नहीं है। माली के अधिकारियों ने इस मामले में टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया।

हालांकि अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात कहा कि माली के कुछ सैन्य अधिकारियों ने जिहादियों और अलगाववादियों के साथ मिलकर काम किया। माली में 2020 के तख्तापलट के बाद से सेना का शासन रहा है और सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में स्थित विस्तृत साहेल क्षेत्र में जिहादी समूहों के विस्तार के कारण यह देश लंबे समय से हिंसा का शिकार रहा है। बमाको की सैन्य अदालत में लोक अभियोजक द्वारा दिए बयान में कहा गया कि जांच के दौरान इस तरह के हमलों में "कुछ सैन्य कर्मियों की मिलीभगत के संबंध में ठोस सबूत" मिले हैं, जिनमें सेवारत और हाल में बर्खास्त किए गए अधिकारी शामिल हैं।

घाना अमेरिकी स्वास्थ्य समझौते को अस्वीकार करने वाला नया अफ्रीकी देश बना

अकरा (घाना)। घाना ने डेटा की गोपनीयता संबंधी चिंताओं के कारण अमेरिका के साथ प्रस्तावित स्वास्थ्य समझौते को ठुकरा दिया है और अब वह एक नए समझौते पर बातचीत करना चाहता है।

एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले भी कई अफ्रीकी देश डेटा साझा करने को लेकर चिंताओं के कारण इस समझौते से पीछे हट चुके हैं। घाना के डेटा संरक्षण आयोग के कार्यकारी निदेशक अर्नोल्ड कावारपुओ के अनुसार, इस समझौते में ऐसे प्रावधान हैं जिनसे अमेरिकी संस्थाओं को जरूरी सुरक्षा उपायों के बिना घाना के स्वास्थ्य संबंधी संवेदनशील आंकड़ों तक पहुंच मिल सकती है। कावारपुओ ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि समझौते के तहत डेटा तक जिस स्तर की पहुंच मांगी गई थी, वह "आम तौर पर जरूरी मानी जाने वाली सीमा से कहीं अधिक" थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने इस मामले में कहा कि मंत्रालय द्विपक्षीय वार्ता का ब्योरा सार्वजनिक नहीं करता।

अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा, "हम दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों की तलाश जारी रखे हुए हैं।" वैश्विक स्वास्थ्य वित्त पोषण के प्रति 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण के तहत अमेरिका ने 30 से अधिक देशों के साथ इस प्रकार के स्वास्थ्य समझौते किए हैं।

इन देशों में ज्यादातर अफ्रीकी देश हैं। इन समझौतों के तहत अमेरिका उन कुछ अफ्रीकी देशों को करोड़ों डॉलर की सहायता देने की पेशकश करता है जो अमेरिकी सहायता में कटौती से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं।